mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-178 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
29 जून 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

सिया-चेतन के सामने केतन मर्डर का सीन रीक्रिएट किया गया

पुणे,एजेंसी। पुणे मर्डर केस में पुलिस ने रविवार को केतन को लोहगढ़ किले से गिराने का सीन रीक्रिएट किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए पुलिस सुबह 6.30 बजे दोनों आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को लोहगढ़ किले लेकर पहुंची। टीम करीब 2.30 घंटे किले पर रही।

डीएसपी गजानन टोंपे ने कहा... आज सुबह हम सिया गोयल को घटनास्थल पर लेकर आए। उसके बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का सीन रीक्रिएशन किया। इसके लिए केतन के समान वजन का एक डमी तैयार किया गया, ताकि घटना को उसी तरह दोहराकर जांच की जा सके। इस बीच केस में पुलिस ने नया खुलासा किया कि सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने गूगल पर लोहगढ़ किले के डेथ पॉइंट सर्च किए थे।

तिरुमाला मंदिर पहुंचे अनंत अंबानी, भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में अर्पित किए केश

हैदराबाद,एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने रविवार को आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी आस्था व्यक्त करते हुए परंपरा के अनुसार मुंडन कराकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के चरणों में अपने केश अर्पित किए।

मंदिर पहुंचने पर अनंत अंबानी ने पहले मुंडन संस्कार संपन्न कराया और इसके बाद विधि-विधान से भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। दर्शन के दौरान उन्होंने देश और समाज की सुख-समृद्धि तथा कल्याण की कामना की। उल्लेखनीय है कि अंबानी परिवार भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के प्रति अपनी गहरी आस्था के लिए जाना जाता है।

मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया

» पीएम को अब तक 33 देश सम्मानित कर चुके

बोले- हिंद महासागर को अवसरों का महासागर बनाएं

विक्टोरिया,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन' मिला है। इसके साथ ही अब प्रधानमंत्री मोदी को कुल 33 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मानित किए जाने पर सेशेल्स की जनता, सरकार और राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों देशों को मिलकर हिंद महासागर को अवसरो का महासागर बनाने में योगदान देना चाहिए।

सेशेल्स की पहली बस्ती में शामिल थे 5 भारतीय: पुर्तगाली नाविक वास्को द गामा ने पहली बार सेशेल्स को 1502 में खोज की थी। तब यहां पर लोगों की कोई स्थाई बसावट नहीं थी। इसके बाद कई सदियों तक अरब और यूरोपीय जहाज यहां रुकते रहे, लेकिन कोई स्थायी आबादी नहीं बनी।

पहली बार 1770 में फ्रांस ने पहली स्थायी बस्ती बसाई। इसी दल में 15 फ्रांसीसी बसने वाले, 7 अफ्रीकी गुलाम और 5 भारतीय शामिल थे। इन्हें सेशेल्स का पहला स्थायी निवासी माना जाता है। इसके बाद 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान बिहार के भोजपुरी भाषी इलाकों से भी लोग यहां आकर बसने लगे। 20वीं सदी से तमिलनाडु और गुजरात से भी बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी, मजदूर और निर्माण कार्य से जुड़े लोग सेशेल्स पहुंचे।

सेशेल्स के पूर्व राष्ट्रपति के पूर्वज बिहार से... आज करीब 1.20 लाख आबादी वाले इस देश में भारतीय मूल के लोग लगभग 8% हैं। भारतीय मूल के लोगों में बिहारी समुदाय तीसरा सबसे बड़ा समूह माना जाता है। साल 2020 में राष्ट्रपति बने वेवेल रामकलावन की जड़ें भी बिहार से जुड़ी हैं। रामकलावन के परदादा करीब 138 साल पहले बिहार के गोपालगंज जिले के परसौनी गांव से कोलकाता पहुंचे थे। वहां से उन्हें गन्ने के खेतों में काम करने के लिए मॉरीशस भेजा गया। बाद में उनका परिवार सेशेल्स में बस गया। साल 2018 में, जब रामकलावन विपक्ष के सांसद थे, तब उन्होंने अपने पूर्वजों के गांव परसौनी का दौरा भी किया था।

दिल्ली, उत्तराखंड में आतंकी हमले का अलर्ट

धार्मिक जगहों और सरकारी संस्थानों की बढ़ाई गई निगरानी

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तराखंड सरकार व निहंगों में कई दिनों तक चले टकराव के बीच आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। एक ईमेल में दिल्ली और उत्तराखंड के कई मंदिरों के साथ सरकारी दफ्तरों, रेलवे स्टेशनों और पुलिस को निशाना बनाते हुए आतंकी हमले की धमकी दी गई है।

सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इंटेलिजेंस एजेंसियों ने संभावित खतरे के बाद दिल्ली और उत्तराखंड के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें खास धार्मिक जगहों, सरकारी स्थानों और पुलिस ठिकानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि धमकी भरे संदेश में कथित तौर पर कुछ राजनीतिक नेताओं का भी जिक्र है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है।

अलर्ट के बाद दिल्ली व उत्तराखंड पुलिस और केंद्रीय इंटेलिजेंस एजेंसियों ने सावधानी के तौर पर संवेदनशील और ज्यादा आवाजाही वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस बोली: सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों की जानकारी छिपाई

सरकार ने कहा- यह दावा सही नहीं, रक्षा मंत्री का बयान गलत तरीके से दिखाया

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के 6 शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक करने के बाद विवाद हो गया है। कांग्रेस ने सरकार पर शहीदों के नाम छिपाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा कहा, 'सरकार ने इन जवानों की शहादत एक साल तक सार्वजनिक नहीं की। उन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।' उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए एक बयान का वीडियो ङ्ग पर शेयर किया। इसमें राजनाथ सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा।

खेड़ा ने कहा, 'दो ही संभावनाएं हैं। या तो रक्षा मंत्री को उस समय छह जवानों की शहादत की जानकारी नहीं थी या उन्होंने संसद को गुमराह किया। दोनों ही स्थितियां गंभीर हैं।'

उधर, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ के संसद में दिए गए बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। इस पर रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह दावा गलत है कि शहीदों को पहली बार सम्मान मिला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने राजनाथ के बयान पर भी सफाई दी... रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संसद में दिए गए भाषण के एक हिस्से को संदर्भ से अलग करके पेश किया गया। इससे यह गलत संदेश देने की कोशिश की गई कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में किसी भारतीय सैनिक के शहीद नहीं होने की बात कही थी।

ट्रम्प बोले: ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा

» अमेरिका ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमले किए, ईरान का बहरीन-कुवैत पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर उन्होंने कहा, लगता है ईरान कभी नहीं सुधरेगा, लेकिन हम और संयम नहीं बरत पाएंगे। एक समय ऐसा भी आ सकता है जब हमें उस सैन्य अभियान को पूरा करना पड़ेगा, जिसकी शुरुआत हमने बहुत सफल तरीके से की थी। अगर ऐसा हुआ तो ईरान का अस्तित्व ही नहीं बचेगा।

वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक नौसेना ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। CENTCOM के मुताबिक ये हमले होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरानी ठिकानों पर किए गए। यह कार्रवाई 'एम/टी किकु' नाम के तेल टैंकर पर हुए ईरानी ड्रोन हमले के जवाब में की गई है।

दूसरी ओर, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में अमेरिकी नौसेना के फिफ्थ फ्लीट बेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया।

ईरान-इराक के विदेश मंत्रियों ने मुलाकात की... ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इराक की राजधानी बगदाद में इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। अल जजीरा के मुताबिक, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय हालात और द्विपक्षीय संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों के लिए इराक के धार्मिक स्थलों पर आपसी समन्वय पर भी बातचीत हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में फुआद हुसैन ने कहा, 'क्षेत्र में युद्ध अभी भी दूसरे रूप में जारी है और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास सैन्य झड़पें हो रही हैं।

टीएमसी बागी गुट की 47 पूर्व पार्षदों के साथ बैठक

ममता गुट ने शिकायत दर्ज कराई, कहा- पार्टी के नाम-सिंबल का गलत इस्तेमाल हुआ

कोलकाता,एजेंसी। बैठक पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके में हुई। इससे पहले 22 जून को न्यू टाउन में भी बागी गुट की बैठक हुई थी। दोनों बैठकों में टीएमसी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं लगाई गई।

इधर, ममता बनर्जी गुट की डोला सेन ने न्यू टाउन और प्रगति मैदान थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक संदेश प्रसारित करने के

ममता बनर्जी ऋतब्रत बनर्जी

साथ बिना अनुमति बैठक करने का भी आरोप लगाया गया है।

बागी गुट बोला- हम ही असली टीएमसी: बागी विधायक संदीपन साहा ने कहा कि उनकी ही असली तृणमूल कांग्रेस है। हमारे पास पर्याप्त संख्या है। हम विधानसभा में प्रमुख विपक्ष हैं। साहा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन हो चुका है और जल्द ही राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में कोलकाता नगर निगम (KMC) चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई। इस साल दिसंबर में चुनाव हो सकते है। दरअसल, 8 जून को कोलकाता नगर निगम का बोर्ड भंग कर दिया गया था। इसके बाद सभी पार्षदों, चेयरपर्सन और मेयर-इन-काउंसिल के सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो गया। प्रशासनिक जिम्मेदारी प्रशासक को सौंप दी गई। पूर्व मेयर फिरहाद हकीम इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

दोनों गुटों ने रैली की अनुमति मांगी... 21 जुलाई को शहीद दिवस पर होने वाली रैली के लिए ममता बनर्जी गुट और बागी गुट, दोनों ने कोलकाता के धर्मतला में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा : 52 भारतीय नेपाल में फंसे

चीन पर वीजा रोकने का आरोप; विदेश मंत्रालय से दखल की अपील

नई दिल्ली,एजेंसी। कैलाश मानसरोवर की पवित्र यात्रा पर निकले लगभग 52 भारतीय वर्तमान में नेपाल की राजधानी काठमांडू में फंसे हैं और मदद का इंतजार कर रहे हैं। राकांपा (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को यह जानकारी दी और विदेश मंत्रालय से मामले में हस्तक्षेप की अपील की ताकि श्रद्धालु अपनी आगे की यात्रा को सुचारु रूप से जारी रख सकें। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सुले ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास, बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास से आग्रह किया कि वे इस मामले पर ध्यान दें और आवश्यक सहायता प्रदान करें। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, काठमांडू में फंसे ये सभी यात्री पुणे के निवासी हैं। दावा है चीन की सरकार ने इन्हें यात्रा के लिए आवश्यक परमिट जारी कर दिए थे और शुल्क भी वसूल लिया था लेकिन अंतिम समय में उनके वीजा रोक दिए गए। पिछले चार दिनों से ये सभी यात्री काठमांडो में वीजा का इंतजार कर रहे हैं।

पांच साल बाद शुरू हुई यात्रा: कैलाश मानसरोवर यात्रा पर शुरुआत में 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण और बाद में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर दोनों देशों में सैन्य गतिरोध के कारण रोक लगा दी गई थी। रूस के कजान में 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बहाल हुए और पांच साल बाद गत वर्ष जून में यात्रा बहाल हुई।

21 जून को तिब्बत में दाखिल हुआ श्रद्धालुओं का पहला जत्था: कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों का पहला जत्था 21 जून को नाथूला दर्रे से होते हुए चीन के स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत में दाखिल हुआ था। इस जत्थे में चार संपर्क अधिकारियों और एक चिकित्सा अधिकारी समेत कुल 44 तीर्थयात्री शामिल हैं। इस जत्थे को सिक्किम के गवर्नर ओम प्रकाश माथुर ने पर्यटन मंत्री शेरिंग थेंडुप भूटिया हरी झंडी दिखाकर तिब्बत के ग्यांत्से के लिए रवाना किया था।

विदेश मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी... वहीं, विदेश मंत्रालय ने निजी टूर ऑपरेटरों के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि उसे कई ऐसे अनुरोध मिले हैं, जिनमें भारतीय नागरिक नेपाल में फंसे हुए हैं, जो बिना चीन के जरूरी प्रवेश परमिट और वीजा के निजी टूर ऑपरेटरों की ओर से आयोजित यात्रा के जरिये कैलाश मानसरोवर यात्रा कर रहे थे। नागरिकों को सलाह दी गई है कि जब तक यात्रा के लिए सभी जरूरी दस्तावेज प्राप्त नहीं हो जाते, तब तक भारत से यात्रा शुरू न करें।

इसरो की बड़ी कामयाबी: सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड का सफल परीक्षण

2040 तक चंद्रमा पर कदम रखने की तैयारी

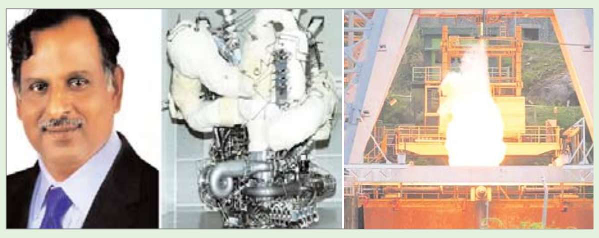

बेंगलुरु,एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन पावर हेड का 88 प्रतिशत लक्ष्य क्षमता (थ्रस्ट) पर सफल 'हॉट टेस्ट' करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स में किया गया यह परीक्षण नए प्रणोदन प्रणाली (प्रोपल्शन सिस्टम) के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह इंजन 175 टन के थ्रस्ट स्तर पर पूरी तरह स्थिर रहा।

इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि भारत ने उस क्रायोजेनिक इंजन तकनीक में महारत हासिल कर ली है, जो कभी उसे देने से इन्कार कर दी गई थी।

बेंगलुरु में '17वें एयर चीफ मार्शल एल.एम. कत्रे मेमोरियल लेक्चर' के दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने इस प्रतिबंध को तकनीकी नेतृत्व में बदल दिया है। आज देश के पास तीन क्रायोजेनिक प्रोपल्शन सिस्टम हैं और इस प्रक्रिया में कई विश्व रिर्ड भी बने हैं। एलवीएम3 की बढ़ेगी ताकत, अगला लक्ष्य 200 टन थ्रस्ट इसरो के अनुसार, इससे पहले 47 प्रतिशत और 60 प्रतिशत थ्रस्ट पर भी सफल परीक्षण किए जा चुके हैं। इस नवीनतम सफलता से विज्ञानियों को अब 200 टन के पूर्ण-थ्रस्ट पर अंतिम प्रदर्शन करने का पर्याप्त आत्मविश्वास मिलेगा।

इस सेमी-क्रायोजेनिक प्रोपल्शन स्टेज को भारत के हेवी-लिफ्ट राकेट एलवीएम3 के मौजूदा एल110 कोर स्टेज को बदलने के लिए विकसित किया जा रहा है। दो हजार किलोन्यूटन क्षमता वाले एसई2000 इंजन से लैस होने के बाद, यह अपग्रेड राकेट की पेलोड ले जाने की क्षमता को काफी बढ़ा देगा।

2040 तक चंद्रमा पर कदम रखने की तैयारी... प्रेट्र के अनुसार, इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने इसे एक 'बड़ी उपलब्धि' बताते हुए कहा कि यह परीक्षण थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर किया गया था, और अब विज्ञानी पूरे इंजन के परीक्षण के लिए तैयार हैं। गगनयान मिशन पर बात करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एक अत्यधिक तकनीक-प्रधान मिशन है।

मन की बात

मोदी बोले: भारत समुद्र से आकाश तक सुरक्षित

● देश में 40 से ज्यादा सी-295 विमान बनाए जा रहे ● योग में भारत ने 114 पदक जीते

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, 'भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए छ्ट-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित 'विश्व योगासन चैम्पियनशिप' में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है।

असम: हरगिला आर्मी ने पुरानी सोच बदली: पीएम मोदी ने कहा कि असम में एक पक्षी पाया जाता है। उसका नाम हरगिला है। हरगिला एक दुर्लभ पक्षी है। ये प्रकृति को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन असम के कुछ इलाकों में लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था।

लोग इसे अपने आसपास देखना पसंद नहीं करते थे। कई बार उन पेड़ों को भी काट दिया जाता था जिन पर हरगिला के घोसले बने होते थे। इसी दौरान जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने ये सब देखा।

श्उन्होंने लोगों के मन में बैठी गलत धारणा को बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने महिलाओं से बात की, लोगों को विज्ञान के आधार पर समझाया। धीरे-धीरे महिलाएं इस अभियान से जुड़ने लगीं। फिर एक बड़ा बदलाव शुरू हुआ। जिस पक्षी को कभी अशुभ मानकर भगाया जाता था, वही गांवों की पहचान बनने लगा।

हजारों ग्रामीण महिलाएं हरगिला को बचाने के लिए आगे आईं। आज उन्हें 'हरगिला आर्मी' के नाम से जाना जाता है। इन महिलाओं ने समाज को समझाने के लिए दिन-रात काम किया और अंधविश्वास को पीछे छोड़ करके रहे। उन्होंने दिखाया है कि जब सही जानकारी पहुंचाई जाती है, तो वर्षों पुरानी सोच भी बदल सकती है।

मन की बात में नॉर्थईस्ट के 3 राज्यों का जिक्र... शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूं कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं। कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे। जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे। कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए ह। मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी दिल्ली के फुटपाथों पर अतिक्रमण जारी, जोखिम में राहगीरों की जान

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 19 जून को फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया था। कोर्ट ने अपने आदेश में यह स्पष्ट किया था कि यह अधिकार मोटर वाहनों के विशेषाधिकार से ऊपर है। इसके बाद यह उम्मीद जगी थी कि संबंधित एजेंसियां अब इसके क्रियान्वयन में लग जाएंगी, लेकिन चार दिन बाद भी दिल्ली में कहीं भी फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए कोई बड़ा अभियान नहीं शुरू किया गया है।

दुकान का सामान फुटपाथ पर लगा रहे: अब भी विभिन्न इलाकों में फुटपाथ पर अवैध रूप से वाहनों की पार्किंग हो रही है, रेहड़ियां लगी हैं और दुकानदार अब भी अपनी दुकान का सामान फुटपाथ पर लगा रहे हैं। फुटपाथ पर अतिक्रमण का खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। उनको सड़क पर जाना पड़ता है, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है। दिल्ली में हर साल 600 से अधिक राहगीरों की सड़क हादसों में मौत हो जाती है। वर्ष 2022 में फुटपाथ पर अतिक्रमण होने से सड़क पर चलने वाले 629 राहगीरों की सड़क हादसों में मौत हो गई थी। इसी तरह 2023 में 622, 2024 में 624 और 2025 में 649 राहगीरों की सड़क हादसों में मौत हो गई। इसके बावजूद एनडीएमसी, एमसीडी, पुलिस-प्रशासन अब तक कोई सख्ती नहीं दिखाई जा रही है। निगमबोध घाट के सामने रिंग रोड के एक तरफ फुटपाथ पर दुकानदारों ने न

केवल अपनी दुकानों का सामान फैला रखा है, बल्कि तिरपाल टांग कर रहने के लिए आशियाने भी बना लिए हैं। फुटपाथ पूरी तरह ब्लाक होने के कारण राहगीरों को मजबूरी में तेज रफ्तार गाड़ियों के बीच मुख्य मार्ग या सर्विस लेन पर चलना पड़ रहा है। यही चिंताजनक स्थिति पुरानी दिल्ली और उसके आसपास के प्रमुख ऐतिहासिक बाजारों में भी है।

चांदनी चौक: फुटपाथ पर खड़ी होती हैं बाइक: चांदनी चौक स्थित टाउन हाल के समीप गांधी पार्क की दीवार के पास साइकिल और फुटपाथ पर मोटरसाइकिल खड़ी की जाती हैं। इससे राहगीरों को आवाजाही करने के लिए जगह नहीं बजती। इसी तरह श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग के फुटपाथ को अब पूरी तरह से रिक्शा स्टैंड बना दिया गया है।

वनखंडी मंदिर: रेहड़ियों ने राहगीरों को किया बेदखल

पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के ठीक सामने का फुटपाथ रेहड़ियों के जाल में इस कदर गुम हो चुका है कि यात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिलती। थोड़ा आगे बढ़ने पर वनखंडी मंदिर से हरदयाल लाइब्रेरी जाने वाले मार्ग पर बने फुटपाथ को वाहनों की अवैध पार्किंग में तब्दील कर दिया गया है।

नेताजी सुभाष मार्ग: दोनों तरफ सजती हैं दुकानें: लाल किला के ठीक सामने नेताजी सुभाष मार्ग के दोनों ओर फुटपाथ पर दुकानें सजती हैं। इससे राहगीरों को आवाजाही करने के लिए जगह नहीं मिलती है। यह स्थिति महज चंद इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली के लगभग हर छोटे-बड़े बाजार, मुख्य मार्ग और रिहायशी इलाके की यही कहानी बन चुकी है।

लाजपत राय मार्केट : पैदल चलना दूभर : लाजपत राय मार्केट के सामने गाड़ियों की अवैध पार्किंग ने पैदल यात्रियों का दम निकाल रखा है। नगर निगम और स्थानीय प्रशासन की इस अनदेखी के कारण अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं और दिल्ली की जनता जान हथेली पर रखकर चलने को विवश है।

अब सिर्फ खास गोल्ड मेडलिस्ट का ही होगा गोल्डन डे

गोरखपुर ,एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) के आगामी दीक्षांत समारोह में इस बार सिर्फ खास गोल्ड मेडलिस्ट ही मुख्य मंच तक पहुंच सकेंगे। कुलाधिपति कार्यालय के निर्देश पर पहली बार इस व्यवस्था में बदलाव किया गया है। केवल 25 गोल्ड मेडलिस्ट को ही कुलाधिपति (राज्यपाल) के हाथों स्वर्ण पदक दिलाने का निर्णय लिया गया है। शेष छात्र-छात्राओं को पदक अलग से प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह फैसला समारोह को तय समय में संपन्न कराने के लिए लिया गया है। सभी गोल्ड मेडलिस्ट को मुख्य मंच पर बुलाया जाएगा तो समारोह की अवधि काफी बढ़ जाएगी। इसी कारण सीमित संख्या में विद्यार्थियों को कुलाधिपति के हाथों प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। मुख्य मंच पर सम्मानित किए जाने वाले 25 विद्यार्थियों का चयन विश्वविद्यालय तय मानकों के आधार पर करेगा। इस निर्णय को लेकर कुछ गोल्ड मेडलिस्ट निराश हो सकते हैं, क्योंकि अधिकतर गोल्ड मेडलिस्ट राज्यपाल के हाथों सम्मान पाने की अपेक्षा रखते हैं। अभी तक सभी गोल्ड मेडलिस्ट को राज्यपाल के हाथों ही मेडल प्राप्त करने का अवसर मिलता रहा है। हालांकि कुलपति ने सभी गोल्ड मेडलिस्ट को मंच से सम्मान दिलाने का प्रयास करने की बात भी कही है। दीक्षांत समारोह में दिए जाते हैं 158 स्वर्ण पदक दीक्षांत समारोह में मेधावियों को 158 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

पंजाब में एक जुलाई से लागू होगी नई ग्रामीण 'जी राम जी' योजना, 125 दिन काम की गारंटी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना एक जुलाई 2026 से लागू होने जा रही है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत पूरे राज्य में नई ग्रामीण रोजगार व्यवस्था शुरू की जाएगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराना, गांवों में आजीविका के अवसर बढ़ाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। यह केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसमें व्यय का बंटवारा 60:40 के अनुपात में किया गया है। कुल लागत का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार खर्च करेगी। योजना के संचालन की जिम्मेदारी ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के माध्यम से निभाई जाएगी।

125 दिन मिलेगा रोजगार: योजना के तहत प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों तक अकुशल श्रम कार्य की कानूनी गारंटी मिलेगी। रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायतों के माध्यम से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। योजना का उद्देश्य गांवों में रोजगार के अवसर बढ़ाना और जरूरतमंद परिवारों को आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध कराना है। योजना में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि कार्यों में ठेकेदारों की नियुक्ति नहीं होगी और मशीनों का उपयोग भी सीमित रहेगा। इससे अधिक से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

15 दिन में करना होगा मजदूरी का भुगतान: मजदूरों के हितों की सुरक्षा के लिए अधिनियम में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। यदि कार्य करने वाले श्रमिकों को 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान नहीं किया जाता है, तो उन्हें प्रतिदिन 0.05 प्रतिशत की दर से विलंब मुआवजा दिया जाएगा। वहीं यदि रोजगार मांगने के 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो पात्र परिवारों को बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान किया गया है।

33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित: योजना में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। कुल रोजगार का कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित रखा गया है। इसके अलावा बुजुर्गों और दिव्यांगों को भी योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाना, स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देना और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। एक जुलाई से योजना लागू होने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है।

सावधान हो जाएं हिमाचल के लोग 2-3 जुलाई को आएगा मानसून, रिकॉर्ड तोड़ बारिश की संभावना

शिमला, एजेंसी। उत्तराखंड में चार दिनों में मानसून के प्रवेश करने का अनुमान है। स्थितियां अनुकूल रही तो हिमाचल प्रदेश में 2 या 3 जुलाई को मानसून प्रवेश कर सकता है। जुलाई माह में सामान्य से कम वर्षा बताई जा रही है। प्रदेश में सामान्य तौर पर 25 जून को मानसून प्रवेश करता है। ऐसे में इस बार मानसून देर से प्रवेश कर रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 1, 2 व 3 जुलाई को प्रदेश में भारी वर्षा को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में ऊंचे क्षेत्रों में हिमपात और अन्य क्षेत्रों में व्यापक वर्षा की संभावना जताई गई है। शनिवार को धर्मशाला में 17 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई । जबकि शिमला सहित ठियोग, नारकंडा, कुफरी और मशोबरा में भी वर्षा हुई है। प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान सबसे अधिक वर्षा शिमला के मशोबरा में 41, शिलारु में 32, सुजानपुर में 18 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। प्रदेश में दिन के तापमान में एक से तीन डिग्री तक का अंतर दर्ज किया गया है। कुछ स्थानों पर वृद्धि तो कुछ में गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में सबसे अधिक वृद्धि शिमला में 3 डिग्री की दर्ज की गई है।

दिल्ली, उत्तराखंड में आतंकी हमले का अलर्ट, धार्मिक जगहों और सरकारी संस्थानों की बढ़ाई गई निगरानी

देहरादून, नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड सरकार व निहंगों में कई दिनों तक चले टकराव के बीच आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। एक ईमेल में दिल्ली और उत्तराखंड के कई मंदिरों के साथ सरकारी दफ्तरों, रेलवे स्टेशनों और पुलिस को निशाना बनाते हुए आतंकी हमले की धमकी दी गई है। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि इंटेलिजेंस एजेंसियों ने संभावित खतरे के बाद दिल्ली और उत्तराखंड के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है, जिसमें खास धार्मिक जगहों, सरकारी स्थानों और पुलिस ठिकानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सूत्रों ने बताया कि धमकी भरे संदेश में कथित तौर पर कुछ राजनीतिक नेताओं का भी जिक्र है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। अलर्ट के बाद दिल्ली व उत्तराखंड पुलिस और केंद्रीय इंटेलिजेंस एजेंसियों ने सावधानी के तौर पर संवेदनशील और ज्यादा आवाजाही वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि खास धार्मिक स्थलों, ट्रांसपोर्ट हब और सरकारी इमारतों पर तैनाती बढ़ा दी गई है, जबकि स्थानीय पुलिस को अलर्ट रहने और पेट्रोलिंग तेज करने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने ईमेल की असलियत का पता लगाने के लिए भी जांच शुरू कर दी है। साइबर एक्सपर्ट संदेश के डिजिटल ट्रेल को खंगाल रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अभी तक किसी संभावित हमले के समय या सही जगह के बारे में कोई खास जानकारी नहीं मिली है। साथ ही उन्होंने कहा कि अलर्ट की गंभीरता को देखते हुए बचाव के उपाय किए जा रहे हैं।

दिल्ली के होटल में पुलिस की गुंडागर्दी, महिलाओं से मारपीट के आरोप में एसआई पर गिरी गाज

नईदिल्ली, एजेंसी। आदर्श नगर इलाके में स्थित एक होटल में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें थप्पड़ मारे गए। इस घटना की वीडियो प्रसारित होने के बाद सब इंस्पेक्टर हिमांशु को लाइन हाजिर कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आदर्श नगर इलाके में स्थित होटल क्लाउड इन होटल, पंचवटी से पुलिस कार्रवाई का एक वीडियो प्रसारित हुआ। यह घटना तीन दिन पुरानी है और वीडियो में एक सब इंस्पेक्टर पुलिस कार्रवाई के दौरान दो महिलाओं को थप्पड़ मारता हुआ दिखाई दे रहा है। देर रात होटल में दो पक्षों के बीच हुए विवाद की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। आरोप है कि कार्रवाई के दौरान आरोपित पुलिसकर्मी ने एक महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी में दो महिलाओं को थप्पड़ मारे। वहीं, मामले में दूसरा पक्ष भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगा रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि दूसरे पक्ष की एक महिला भी झड़प में घायल हुई है। फिलहाल आदर्श नगर थाना पुलिस पूरे मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि फुटेज और दोनों पक्षों के आरोपों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना में मौके पर मौजूद महिला पुलिस के भी बयान लिए गए हैं हालांकि उनके खिलाफ अभी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस फुटेज के आधार पर डीसीपी आकांक्षा यादव ने एसआई को लाइन हाजिर कर मामले की जांच जिले की सतर्कता शाखा को सौंप दी है। उनका कहना है कि बृहस्पतिवार देर रात करीब डेढ़ बजे महिलाओं के दो समूहों में झगड़े की सूचना मिली थी। इस जानकारी के बाद आदर्श नगर थाने से एसआई हिमांशु पुलिसकर्मियों के साथ होटल में पहुंचे। इनमें एक महिला के पैर से खून निकल रहा था। जांच में मालूम हुआ कि यह महिला तीन साथियों के साथ इस होटल में ठहरी थी। इसी होटल में बुराड़ी निवासी एक और महिला भी रुकी थी। बताया जाता है कि दोनों समूहों में रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। घायल महिला का बीजेआरएम अस्पताल में मेडिकल कराया गया।अब पुलिस इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को जांच में शामिल करने के लिए नोटिस दिया है।

एक साल से जारी विरोध प्रदर्शन के बीच राष्ट्रपति वुसिक ने छोड़ा पद

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने घोषणा की है कि वह अगले कुछ हफ्तों में अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। उनके इस फैसले के बाद देश में समय से पहले चुनाव होने की संभावना बढ़ गई है। पिछले एक साल से छात्र और युवा संगठन सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और जल्द संसदीय चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

इस्तीफे और चुनाव की तारीख का इंतजार: शनिवार को राजधानी बेलग्रेड में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए वुसिक ने कहा कि वह कुछ सप्ताह तक ही राष्ट्रपति रहेंगे और उसके बाद इस्तीफा दे देंगे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि इस्तीफा कब देंगे और चुनाव की तारीख क्या होगी। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में वह अपनी पार्टी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी के लिए प्रचार करेंगे और उन्हें भरोसा है कि उनकी पार्टी पहले से भी बड़ी जीत दर्ज करेगी।

लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते वुसिक: सर्बिया के कानून के अनुसार वुसिक लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते। उनका दूसरा कार्यकाल चल रहा है और नियमित राष्ट्रपति तथा संसदीय चुनाव अगले वर्ष होने हैं। पिछले एक साल से देशभर में छात्र और युवा संगठन वुसिक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

अमेरिका-इस्राइल के साथ इटली भी शामिल: ईरान ने लगाए कई गंभीर आरोप, कहा- ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अब इटली पर भी निशाना साधा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने इटली पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एक ओर इटली यह दावा कर रहा है कि उसने ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लिया, वहीं दूसरी ओर वह 'तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता' देने की बात स्वीकार कर रहा है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि इटली का बयान विरोधाभासी और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है। बघाई ने कहा कि हमलावर देशों को तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता देना एक अवैध युद्ध में सीधी भागीदारी के बराबर है। उन्होंने कहा कि यह केवल सहयोग नहीं, बल्कि एक स्पष्ट और प्रत्यक्ष योगदान है, जिसने अमेरिका और इस्राइल के कथित आक्रामक युद्ध को संभव बनाया। इटली एक तरफ सार्वजनिक रूप से हमलावरों की मदद से इनकार कर रहा है। जबकि दूसरी ओर तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग देने की बात स्वीकार कर रहा है। यह गंभीर अंतरराष्ट्रीय गलत कार्रवाई में शामिल होने जैसा है। तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता देना अवैध युद्ध को सीधे समर्थन देने के बराबर है। ऐसी सहायता संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भावना के भी खिलाफ है।

इटली ने अपने बचाव में क्या कहा है: इससे पहले इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से टेलीफोन पर बातचीत की थी। तजानी ने स्पष्ट किया कि इटली ने कभी भी ईरान के खिलाफ किसी सैन्य अभियान में हिस्सा नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि इटली ने अपने किसी भी सैन्य अड्डे को ईरान के खिलाफ युद्ध संबंधी कार्रवाई के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला अमेरिका के साथ हुई संधियों का पूरी तरह सम्मान करते हुए लिया गया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा: एमईए ने जारी की एडवाइजरी, क्यों कहा- निजी टूर ऑपरेटरों पर भरोसा न करें तीर्थयात्री

काठमांडू, एजेंसी। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद फिर से शुरू हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर विदेश मंत्रालय ने तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। नेपाल में कई भारतीय श्रद्धालुओं के फंसने की घटनाओं के बाद मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि चीन में प्रवेश के लिए आवश्यक वीजा और परमिट के बिना यात्रा शुरू करना गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है। मंत्रालय ने श्रद्धालुओं से केवल अधिकृत टूर ऑपरेटरों के माध्यम से यात्रा करने और सभी जरूरी दस्तावेज मिलने के बाद ही घर से रवाना होने की अपील की है।

नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं ने मांगी मदद: विदेश मंत्रालय ने बताया कि उसे नेपाल में फंसे कई भारतीय नागरिकों से सहायता के अनुरोध मिले हैं। ये श्रद्धालु निजी टूर ऑपरेटरों के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे, लेकिन उनके पास चीन में प्रवेश के लिए आवश्यक वीजा और परमिट उपलब्ध नहीं थे। दस्तावेजों की कमी के कारण उन्हें आगे की यात्रा जारी रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

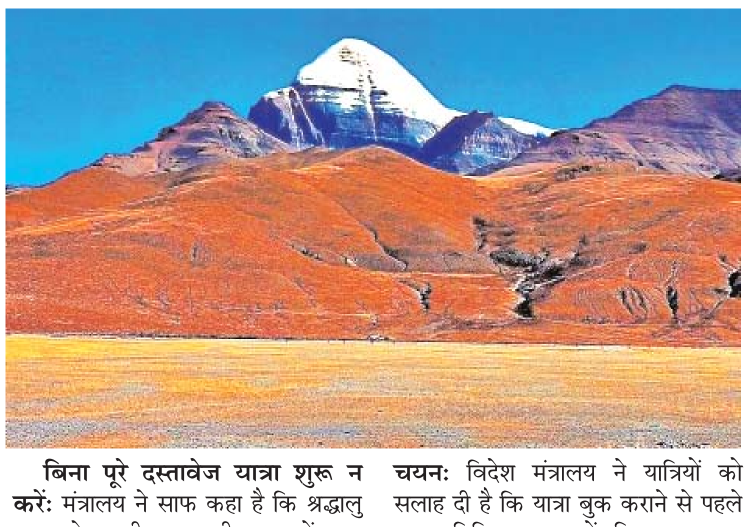

बिना पूरे दस्तावेज यात्रा शुरू न करें: मंत्रालय ने साफ कहा है कि श्रद्धालु भारत से अपनी यात्रा तभी शुरू करें, जब पूरी यात्रा के लिए जरूरी सभी दस्तावेज उनके पास उपलब्ध हों। केवल इस उम्मीद में यात्रा शुरू करना कि वीजा या परमिट बाद में मिल जाएगा, यात्रियों के फंसने का कारण बन सकता है। इसलिए सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही यात्रा आरंभ करें।

अधिकृत टूर ऑपरेटर का ही करें चयन: विदेश मंत्रालय ने यात्रियों को सलाह दी है कि यात्रा बुक कराने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि उनका टूर ऑपरेटर विधिवत पंजीकृत और अधिकृत है। अधिकृत ऑपरेटर के माध्यम से यात्रा करने से दस्तावेजी प्रक्रिया सही ढंग से पूरी होती है और यात्रा के दौरान किसी भी तरह की परेशानी या अनावश्यक जोखिम से बचा जा सकता है।

पांच साल बाद फिर शुरू हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा: कोविड-19 महामारी और भारत-चीन सीमा पर बढ़े तनाव के कारण वर्ष 2020 से बंद पड़ी कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल बाद वर्ष 2025 में दोबारा शुरू हुई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष यात्रा 15 जून से शुरू होकर 25 अगस्त 2025 तक चलेगी। यात्रा का संचालन दो पारंपरिक मार्गों से किया जा रहा है।

5,561 आवेदनों में से 750 यात्रियों का चयन

इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए कुल 5,561 लोगों ने आवेदन किया था। विदेश मंत्रालय ने कंप्यूटरीकृत लॉटरी प्रणाली के माध्यम से 750 तीर्थयात्रियों का चयन किया। यात्रा के लिए कुल 15 जत्थे बनाए गए हैं। इनमें पांच जत्थे, प्रत्येक में 50 यात्री, उत्तराखंड के लिपुलेख मार्ग से जाएंगे, जबकि 10 जत्थे, प्रत्येक में 50 यात्री, सिक्किम के नाथू ला मार्ग से यात्रा करेंगे। दोनों मार्गों पर पहले की तुलना में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं और पैदल चलने की दूरी भी काफी कम हो गई है।

धार्मिक आस्था के साथ कूटनीतिक महत्व भी

कैलाश मानसरोवर यात्रा हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती है। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के कारण यात्रा स्थगित कर दी गई थी। इसके बाद गलवान घाटी संघर्ष के चलते भारत-चीन संबंधों में आई तल्खी के कारण भी यात्रा दोबारा शुरू नहीं हो सकी। इस वर्ष यात्रा की बहाली को केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि भारत और चीन के बीच विश्वास बहाली तथा सांस्कृतिक संपर्क मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर यात्रियों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत माध्यमों से ही यात्रा करें और चीन में प्रवेश के लिए आवश्यक सभी वीजा एवं परमिट प्राप्त करने के बाद ही अपनी यात्रा शुरू करें।

सीधी में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नवजात को पिलाई 'दो बूंद जिंदगी की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत सीधी जिले में रविवार को जिला चिकित्सालय परिसर से अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नवजात बालिका अद्विता सिंह को 'दो बूंद जिंदगी की' पोलियो वैक्सीन पिलाकर किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पोलियो मुक्त भारत की उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक समय पर वैक्सीन पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक नई पहल भी की गई शहरी क्षेत्रों में पोलियो वैक्सीन के परिवहन के लिए ईवी (इलेक्ट्रिक) ऑटो का उपयोग किया गया जिससे न केवल प्रदूषण कम करने का संदेश दिया गया बल्कि हरित परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम माना गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे, सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे सहित वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्य अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ, एएनएम और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई और अभिभावकों से अपील की कि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेन्द्र बिहारी दुबे ने कहा कि पोलियो से बचाव के लिए सभी 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को अनिवार्य रूप से 'दो बूंद जिंदगी की' पिलाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के बिना पोलियो उन्मूलन का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकता इसलिए सभी नागरिकों को इसमें सक्रिय सहयोग देना चाहिए। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में दो-दो मॉडल पोलियो बूथ स्थापित किए गए। विभिन्न विकासखंडों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इन बूथों का उद्घाटन कर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई सेमरिया, सिहावल, कुसमी, रामपुर नैकिन, चुरहट और मझौली सहित सभी क्षेत्रों में मॉडल बूथों पर विशेष व्यवस्थाएं की गईं। सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार खरे ने बताया कि जिले में कुल 1,92,650 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है इसके लिए 2,25,784 घरों तक स्वास्थ्य विभाग की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी अभियान के पहले दिन 1,182 पोलियो बूथों पर बच्चों को दवा पिलाई गई जबकि 29 और 30 जून को स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी।

अभियान के सफल संचालन के लिए 1,376 टीमें, 2,762 वैक्सीनेटर, 184 सुपरवाइजर, 25 ट्रांजिट बूथ और 6 विशेष मोबाइल टीमें तैनात की गई हैं अधिकारियों ने अभियान की शुरुआत के बाद विभिन्न बूथों का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बूथों पर कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत की और अभिभावकों से बच्चों के टीकाकरण की जानकारी प्राप्त की सीएमएचओ ने कहा कि यदि एक भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित रह जाता है तो सुरक्षा चक्र कमजोर पड़ सकता है इसलिए अभियान को पूरी गंभीरता से लागू किया जा रहा है उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि जो बच्चे किसी कारणवश बूथ पर पोलियो की खुराक नहीं ले सके हैं उन्हें 29 और 30 जून को घर-घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीम से अवश्य दवा दिलवाएं उन्होंने विश्वास जताया कि जनसहभागिता और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से सीधी जिला इस अभियान में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करेगा।

पीडब्ल्यूडी सागर-छतरपुर संभाग में भ्रष्टाचार के आरोप, जांच और कार्रवाई की मांग तेज

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एक बार फिर गंभीर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को लेकर चर्चा में है। सागर संभाग के अंतर्गत छतरपुर और सागर क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों से लेकर सरकारी संपत्तियों के कथित घोटालों तक कई मामलों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं जानकारी के अनुसार आरोप है कि पीडब्ल्यूडी के कुछ वरिष्ठ अधिकारी (सी एंड ई स्तर) और ठेकेदारों के बीच मिलीभगत से कई निर्माण कार्यों में अनियमितताएं की जा रही हैं दावा किया जा रहा है कि इन अधिकारियों द्वारा ठेकेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाकर सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले सामने आए हैं इससे शासन को आर्थिक नुकसान होने और जनता के पैसों के दुरुपयोग के आरोप लगाए जा रहे हैं इसी क्रम में छतरपुर और सागर क्षेत्र में सड़क निर्माण और पैचवर्क कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे हैं बड़ा मलहरा क्षेत्र के बमनोरा-हीरापुर मार्ग पर किए जा रहे पैचवर्क कार्य के दौरान घटिया सामग्री के उपयोग और खराब निर्माण गुणवत्ता की शिकायत सामने आई थी निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि इस्तेमाल किया गया बिटुमिन कार्य हाथ लगाते ही उखड़ने लगा जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हुए इस मामले में जनप्रतिनिधियों ने भी आपत्ति दर्ज कराई थी। इसके अलावा छतरपुर में पीडब्ल्यूडी से जुड़े एक कथित सरकारी संपत्ति घोटाले का मामला भी सामने आया है जिसे 'हाउस ऑफ दफ्तरी वाला' प्रकरण बताया जा रहा है आरोप है कि इस मामले में अधिकारियों की मिलीभगत से लगभग 9 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी इमारत को मात्र 84 लाख रुपये में निजी हाथों में बेच दिया गया इस खुलासे के बाद प्रशासनिक स्तर पर हलचल मच गई थी मामले में कार्रवाई के तहत एसओ कमलेश मिश्रा को निलंबित किया गया था हालांकि बाद में कथित रूप से पुनः उन्हें एसडीओ पद पर पदस्थ किए जाने को लेकर भी सवाल उठे हैं आरोप यह भी है कि इस पूरी प्रक्रिया में विभागीय प्रभाव और दबाव की भूमिका रही। इसी प्रकरण में मुख्य अभियंता (सागर संभाग) द्वारा जांच के बाद तीन अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित किया गया था वहीं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री (ईई) सहित अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की बात सामने आई है। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर सवाल उठ रहे हैं स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा उच्च स्तरीय जांच की मांग तेज कर दी गई है उनका कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो भ्रष्टाचार के ऐसे मामले लगातार बढ़ते रहेंगे और जनता के विकास कार्य प्रभावित होंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए प्रतिभाशाली बच्चों के नामांकन आमंत्रित, 20 जुलाई तक प्रस्ताव भेजने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण प्रतिभा और उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। जिला शिक्षा केन्द्र सीधी ने जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्त्रोत समन्वयकों तथा शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रधानाध्यापकों को पात्र बच्चों की पहचान कर उनके प्रस्ताव निर्धारित समय-सीमा में भेजने के निर्देश जारी किए हैं। जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं इस पुरस्कार का उद्देश्य न केवल प्रतिभाशाली बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना है, बल्कि अन्य बच्चों को भी उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रेरित करना भी है निर्देशों के अनुसार 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र होंगे। विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, कमजोर वर्गों तथा दिव्यांग बच्चों की उपलब्धियों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया है ताकि समाज के सभी वर्गों की प्रतिभाओं को समान अवसर मिल सके और उन्हें राष्ट्रीय मंच पर पहचान मिल सके भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर इस पुरस्कार के लिए नामांकन प्रक्रिया 1 अप्रैल से 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन संचालित रहेगी इसके तहत जिले के सभी विकासखंडों में व्यापक स्तर पर प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करने का अभियान चलाया जाएगा प्रत्येक विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को अपने क्षेत्र से कम से कम पांच पात्र बच्चों के प्रस्ताव तैयार कर जिला शिक्षा केन्द्र को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। नामांकन के लिए प्रस्ताव के साथ बच्चों की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण, प्रमाण-पत्र, संबंधित दस्तावेज, उच्च गुणवत्ता के फोटोग्राफ तथा आवश्यकतानुसार वीडियो भी संलग्न करना अनिवार्य होगा ताकि राष्ट्रीय स्तर पर उनके कार्यों का सही और प्रभावी मूल्यांकन किया जा सके जिला परियोजना समन्वयक ने सभी विद्यालय प्रमुखों, शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे बच्चों की पहचान करें जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

अमरपाटन में गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी शुरू, 25 हजार उपभोक्ताओं को मिली बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमरपाटन क्षेत्र के करीब 25 हजार भारत गैस उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। प्रशासनिक निर्देश के बाद सिया गैस एजेंसी ने शनिवार शाम से गैस सिलेंडरों की घर-घर डिलीवरी सेवा शुरू कर दी है इस व्यवस्था से अब उपभोक्ताओं को लगभग 20 किलोमीटर दूर अहिरगांव जाकर सिलेंडर लेने की मजबूरी से छुटकारा मिल गया है इससे पहले शुक्रवार को एजेंसी द्वारा नगर परिषद अमरपाटन में प्वाइंट डिलीवरी के माध्यम से लगभग 500 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया था इसके बाद शनिवार शाम से नियमित रूप से होम डिलीवरी सेवा शुरू कर दी गई जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी सुविधा मिल रही है। यह समस्या उस समय उत्पन्न हुई जब अमरपाटन की मानसी गैस सर्विस में अनियमितताओं के चलते उसका संचालन निलंबित कर दिया गया। निलंबन के बाद उसके सभी उपभोक्ताओं को अहिरगांव स्थित सिया गैस एजेंसी से जोड़ दिया गया था एजेंसी की दूरी अधिक होने के कारण उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर लेने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ रहा था जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा था। उपभोक्ताओं और अधिवक्ता संघ ने इस समस्या को लेकर 24 जून को मैहर कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी को ज्ञापन सौंपा था ज्ञापन में मांग की गई थी कि या तो पूर्व गैस एजेंसी को बहाल किया जाए या फिर सभी उपभोक्ताओं के लिए घर-घर गैस सिलेंडर आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए साथ ही चेतावनी दी गई थी कि यदि मांगें पूरी नहीं होतीं तो 1 जुलाई को आंदोलन और अमरपाटन बंद किया जाएगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने तत्काल सिया गैस एजेंसी को निर्देश जारी किए कि अमरपाटन क्षेत्र के सभी उपभोक्ताओं तक शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए प्रशासन के निर्देशों के बाद एजेंसी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डिलीवरी व्यवस्था को लागू कर दिया। होम डिलीवरी शुरू होने के बाद उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली उनका कहना है कि अब उन्हें गैस सिलेंडर के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी स्थानीय लोगों ने प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत किया है।

सिंगरौली में नो-एंट्री तोड़ने पर ट्रक चालक पर 31 हजार का जुर्माना, कोर्ट ने सुनाया फैसला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले एक ट्रक चालक पर अदालत ने सख्त कार्रवाई करते हुए 31 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है यह मामला नो-एंट्री क्षेत्र में वाहन प्रवेश और पुलिस के रोकने के इशारे को नजरअंदाज करने से जुड़ा है घटना 26 जून की बताई जा रही है। जयंत नो-एंट्री क्षेत्र में तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने एक ट्रक को रुकने का इशारा किया था लेकिन चालक ने इसे अनदेखा करते हुए वाहन आगे बढ़ा दिया नियमों का उल्लंघन होते देख पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए राजीव चौक पर घेराबंदी कर ट्रक को रोक लिया।

इसके बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू की और मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया पूरी जांच और सुनवाई के बाद कोर्ट ने पाया कि चालक ने स्पष्ट रूप से नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन किया था और पुलिस के निर्देशों की अवहेलना की थी। इस आधार पर अदालत ने ट्रक चालक पर 31 हजार रुपये का जुर्माना लगाया यह निर्णय ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है ट्रैफिक थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि संबंधित चालक को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने से रोका गया था लेकिन उसने पुलिस के निर्देशों को अनसुना कर दिया उन्होंने कहा कि इस तरह की लापरवाही न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करती है।

पुलिस ने इस कार्रवाई के बाद सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे नो-एंट्री क्षेत्रों के नियमों का पालन करें और ट्रैफिक पुलिस के संकेतों का सम्मान करें अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ताकि सड़क व्यवस्था और सुरक्षा बनी रहे इस घटना के बाद स्थानीय स्तर पर भी ट्रैफिक नियमों को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है ताकि ऐसे उल्लंघनों को रोका जा सके और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके।

सीधी में कृषि चौपाल के दौरान एसडीएम ने खुद चलाया ट्रैक्टर, किसानों की समस्याएं सुनकर दिया समाधान का भरोसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम भीतरी में रविवार को आयोजित कृषि चौपाल केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी देने तक सीमित नहीं रही बल्कि प्रशासन और किसानों के बीच भरोसे और सहभागिता का एक अनूठा उदाहरण भी बनी। कार्यक्रम में एसडीएम विकास कुमार आनंद ने किसानों की समस्याएं सुनीं और इसके बाद स्वयं ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई की अधिकारियों की इस पहल को किसानों ने सराहा और इसे प्रशासन की जमीनी स्तर पर सक्रियता का सकारात्मक संदेश बताया कृषि चौपाल में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान एसडीएम विकास कुमार आनंद और नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी ने किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने अधिकारियों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, डीएपी उर्वरक के विकल्प, नरवाई प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन और पशुधन क्रय से संबंधित विभिन्न शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया भी समझाई गई कार्यक्रम में कृषि, पशु चिकित्सा और उद्यानिकी विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने भी भाग लिया उन्होंने आधुनिक खेती की तकनीकों, उन्नत बीजों के उपयोग, फसल उत्पादन बढ़ाने के उपाय, जैविक खेती और बागवानी के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित करने के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी अधिकारियों ने किसानों को बदलते मौसम और नई कृषि तकनीकों के अनुरूप खेती अपनाने की सलाह भी दी। कार्यक्रम का सबसे विशेष क्षण तब आया जब एसडीएम विकास कुमार आनंद ग्राम भीतरी स्थित खसरा नंबर 2436/2, रकबा 0.8860 हेक्टेयर के खेत में पहुंचे और स्वयं ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई की यह खेत कुमुदेश्वर अग्निहोत्री, अनिल कुमार अग्निहोत्री और अशोक कुमार अग्निहोत्री का है एसडीएम की इस पहल का उद्देश्य किसानों के साथ सीधे जुड़ाव स्थापित करना और यह संदेश देना था।

मोहर्रम के तीसरे दिन बड़ी दरगाह रीवा में तीजा फातिया कार्यक्रम श्रद्धा और धूमधाम से सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बड़ी दरगाह, अमहिया कर्बला में मोहर्रम के तीसरे दिन चांद की 12 तारीख को हजरत इमाम हुसैन रज़ी अल्लाह तआला अन्हु और कर्बला के 72 शहीदों की याद में तीजा फातिया,मिलाद और लंगर का आयोजन श्रद्धा और धूमधाम से किया गया सुबह 9 बजे मिलाद का आयोजन हुआ, जिसके बाद लगभग 11 बजे से फातिहाखानी शुरू हुई जो करीब डेढ़ बजे तक चली इसके बाद शहर से आए अखाड़ा दलों और ढोल-ताशा समूहों ने अपने करतब प्रस्तुत किए इस दौरान लोगों के बीच लंगर और शरबत का वितरण भी किया गया। वक्फ इंतजामिया कमेटी बड़ी दरगाह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए पुलिस प्रशासन, एसपी श्री गुरचरण सिंह, अमहिया थाना, यातायात पुलिस, नगर निगम एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष हाजी मोहम्मद इकबाल, गुलाम मोहम्मद राजू, मोहम्मद अली, एडवोकेट इमाम वक्श, समीम सौदागर, खालिक खान, सरपरस्त एवं पूर्व पार्षद अकरम अंसारी सहित कई गणमान्य लोग और स्थानीय युवा उपस्थित रहे।

सीधी में सर्किट हाउस पर नि:शुल्क योग सत्र का शुभारंभ, कलेक्टर विकास मिश्रा ने किया योगाभ्यास

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और नागरिकों में योग के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की पहल पर रविवार सुबह सर्किट हाउस परिसर में नि:शुल्क सामूहिक योग सत्र का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्वयं योगाभ्यास कर नागरिकों को नियमित योग अपनाने का संदेश दिया कार्यक्रम का आयोजन पतंजलि योग समिति, गायत्री परिवार और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अनुभवी योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में किया गया। योग सत्र में बड़ी संख्या में नागरिकों, अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन का आधार है उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से न केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मानसिक तनाव में भी कमी आती है और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार होता है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें जिला प्रशासन के अनुसार यह नि:शुल्क सामूहिक योग सत्र अब प्रत्येक रविवार सुबह 6 बजे सर्किट हाउस परिसर में नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा इसका उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़कर 'स्वस्थ सीधी, स्वस्थ समाज' की अवधारणा को साकार करना है। कार्यक्रम में मौजूद प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया तथा इनके लाभों की विस्तृत जानकारी दी प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नियमित योग सत्र से लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस पहल से जुड़कर प्रत्येक रविवार आयोजित होने वाले योग सत्र में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाएं। यह कार्यक्रम न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा बल्कि सामाजिक एकता और मानसिक संतुलन को भी मजबूत करेगा।

देश में बढ़ती नशाखोरी

संपादकीय

हमारा देश भारत एक विशाल देश है। भारत की आबादी लगभग एक सौ तैंतालिस करोड़ है। भारत एक सुंदर और विविधताओं से भरा हुआ देश है। हमारे देश की अनूठी संस्कृति है जिससे भारत की पूरे विश्व में अलग ही पहचान है। आज भारत हर क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान बना रहा है और विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। लेकिन देश में बढ़ता नशा चिंता का विषय है। यह एक गंभीर राष्ट्रीय संकट बन चुका है। यह नशा विशेषकर युवाओं और किशोरों में बहुत अधिक बढ़ रहा है। स्कूल और कॉलेजों के छात्रों को नशा करते हुए देखा जा सकता है। नशे का इस प्रकार बढ़ता प्रचलन एक गंभीर सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। यह समस्या केवल शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि गांव में भी तेजी से फैल रही है। हेरोइन, कोकीन और चिट्टा आदि नशे बहुत अधिक खतरनाक हैं। इस तरह के नशे पारंपरिक नशे से भी कई गुणा भयानक हैं। नशे के लिए इंजेक्शन का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ रहा है जिससे एचआईवी हेपेटाइटीज का खतरा बढ़ रहा है। इस प्रकार का नशा हमारे देश की युवा पीढ़ी को दीमक की तरह चट कर रहा है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है जिसकी औसत आयु मात्र 29 वर्ष है। देश की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम आयु वर्ग की है। यह युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। यदि यही युवा पीढ़ी नशे के गर्त में डूबती जाएगी तो देश के भविष्य का क्या होगा।

देश में नशा क्यों बढ़ रहा है, यह गंभीर चिंतन का विषय है। देश और युवा वर्ग तथा किशोरों के भविष्य को देखते हुए इस नशे पर लगाम लगानी ही होगी। दूसरे देशों से होने वाली नशे की तस्करी को सख्ती से रोकना होगा। तस्करों पर लगाम लगाने के लिए सख्त से सख्त कानून बनाने होंगे ताकि वे लोग ऐसा घिनौना कार्य करने से पहले दस बार सोचें। क्योंकि धन के लालच में जो लोग देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, किसी भी सूरत में बचने नहीं चाहिए। हमें नशे की रोकथाम के लिए केवल सरकार पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसके लिए अपने स्तर पर भी प्रयास करने होंगे। अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने होंगे कि वे नशे से दूर रहें। इसके साथ ही स्कूल और कॉलेज में भी अध्यापकों के साथ लगातार संपर्क बनाकर रखना होगा, ताकि अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। नशा न केवल शारीरिक नुक्सान पहुंचाता है बल्कि आर्थिक रूप से भी कंगाल बना देता है। हेरोइन और कोकीन या चिट्टा आदि ऐसे नशे हैं जिनसे छुटकारा पाना तो बहुत ही मुश्किल है, कई बार तो इसके अधिक सेवन करने से मौत भी हो जाती है। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं होगा, तो व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं होगा। वह युवा या व्यक्ति अपने घर, समाज और अपने देश के लिए कुछ नहीं कर सकता। इससे कई घर बर्बाद हो गए हैं या हो जाते हैं। मां-बाप अपने ही बच्चों के सामने असहाय महसूस करने पर मजबूर हो जाते हैं। इसलिए नशाबाजी रोकने के लिए ठोस उपाय करने होंगे।

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 साइबर ठगी के नेटवर्क पर प्रहार और डिजिटल सुरक्षा की नई चुनौती

डिजिटल युग ने लोगों के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराधों के नए-नए तरीके भी सामने आए हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, मोबाइल वॉलेट और इंटरनेट आधारित वित्तीय सेवाओं के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगों ने भी अपनी गतिविधियों का दायरा बढ़ाया है। इन अपराधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका तथाकथित म्यूल अकाउंट या फर्जी बैंक खातों की होती है, जिनका उपयोग अवैध रूप से प्राप्त धनराशि को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसी समस्या से निपटने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा राज्यव्यापी अभियान ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत भरूच साइबर क्राइम पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

भरूच में हुई इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराध केवल कंप्यूटर या मोबाइल तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे संगठित नेटवर्क सक्रिय हैं, जो बैंक खातों, मोबाइल सिम कार्डो और डिजिटल पहचान का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देते हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों ने फर्जी पहचान पत्रों और गलत दस्तावेजों की सहायता से विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाए थे। इन खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धन को जमा करने और बाद में अन्य खातों में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता था।

साइबर अपराध की दुनिया में म्यूल अकाउंट एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सामान्य भाषा में इसे ऐसे बैंक खाते के रूप में समझा जा सकता है जिसका उपयोग अपराधी अपने अवैध लेन-देन को छिपाने के लिए करते हैं। कई बार अपराधी स्वयं खाते नहीं खोलते, बल्कि दूसरे लोगों को लालच देकर या उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर खाते खुलवा लेते हैं। इसके बाद ठगी से प्राप्त धन इन खातों में जमा किया जाता है और फिर कई चरणों में विभिन्न खातों में भेजकर उसके स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता है। इससे जांच एजेंसियों के लिए वास्तविक अपराधियों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

भरूच में गिरफ्तार किए गए आरोपियों के संबंध में पुलिस को यह जानकारी मिली है कि उन्होंने पहले से खरीदे गए मोबाइल सिम कार्डो को बैंक खातों से जोड़ रखा था। साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि इन खातों में जमा होती थी और फिर उसे विभिन्न माध्यमों से आगे भेज दिया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का उद्देश्य अवैध धन के प्रवाह को वैध दिखाना और जांच एजेंसियों को भ्रमित करना था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज बरामद किए हैं, जो इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकते हैं।

गुजरात पुलिस का ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साइबर अपराधों की जड़ों तक पहुंचने का प्रयास भी है। पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। फर्जी कॉल, निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, ऑनलाइन नौकरी का झांसा, केवाईसी अपडेट करने के नाम पर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी लोन ऐप और सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों ने आम नागरिकों की सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इन अपराधों में प्राप्त धनराशि को छिपाने के लिए म्यूल खातों का उपयोग व्यापक स्तर पर किया जाता है। इसलिए इन खातों के नेटवर्क को तोड़ना साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

विनम्रता बनाम दादागिरी- व्यक्तित्व, नेतृत्व और सफ़लता की असली कसौटी -समग्र व्यापक

किशन सनमुखदास भावनानीं

विनम्रता और दादागिरी दो विपरीत मानवीय प्रवृत्तियाँ हैं। विनम्रता में सम्मान, सहिष्णुता, संवाद, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का समावेश होता है, जबकि दादागिरी में अहंकार, भय, दबाव, असहिष्णुता और दूसरों को नियंत्रित करने की मानसिकता शामिल होती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि विनम्र व्यक्ति अपनी उपलब्धियों केबावजूद सहज बना रहता है, जबकि दादागीर व्यक्ति छोटी उपलब्धियों को भी अपने अहंकार का आधार बना लेता है। यही कारण है कि समाज में विनम्र व्यक्तियों को दीर्घकालिक सम्मान मिलता है।

वैश्विक स्तरपर आज का युग प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन और प्रभाव का युग माना जाता है। सोशल मीडिया से लेकर कॉर्पोरेट जगत, राजनीति से लेकर सामाजिक जीवन तक हर जगह स्वयं को श्रेष्ठ सिद्ध करने की होड़ दिखाई देती है। ऐसे वातावरण में अनेक लोग यह भ्रम पाल लेते हैं कि कठोरता, दबंगई, दादागिरी और दूसरों पर अपना प्रभाव थोपना ही सफलता का मार्ग है। कुछ समय के लिए यह तरीका प्रभावशाली दिखाई दे सकता है, लेकिन इतिहास, समाज और मानव मनोविज्ञान का गहन अध्ययन बताता है कि स्थायी सफलता, सम्मान और नेतृत्व का आधार दादागिरी नहीं बल्कि विनम्रता होती है। विनम्रता वह शक्ति है जो लोगों को जोड़ती है, जबकि दादागिरी वह प्रवृत्ति है जो लोगों को दूर करती है।

विनम्रता और दादागिरी दो विपरीत मानवीय प्रवृत्तियाँ हैं। विनम्रता में सम्मान, सहिष्णुता, संवाद, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास का समावेश होता है, जबकि दादागिरी में अहंकार, भय, दबाव, असहिष्णुता और दूसरों को नियंत्रित करने की मानसिकता शामिल होती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि विनम्र व्यक्ति अपनी उपलब्धियों केबावजूद सहज बना रहता है, जबकि दादागीर व्यक्ति छोटी उपलब्धियों को भी अपने अहंकार का आधार बना लेता है।यही कारण है कि समाज में विनम्र व्यक्तियों को दीर्घकालिक सम्मान मिलता है, जबकि दादागिरी करने वाले लोग केवल अस्थायी भय पैदा कर पाते हैं।

साथियों, भारतीय संस्कृति सदैव विनम्रता को मानव का सर्वोत्तम आभूषण मानती रही है। हमारे शास्त्रों, संतों और महापुरुषों ने बार-बार यह संदेश दिया है कि ज्ञान, शक्ति और पद तभी सार्थक हैं जब उनके साथ विनम्रता जुड़ी हो। जिस प्रकार फल से लदा हुआ वृक्ष झुक जाता है, उसी प्रकार गुणों और उपलब्धियों से सम्पन्न व्यक्ति भी स्वभाव से विनम्र हो जाता है। इसके विपरीत, खोखला वृक्ष सीधा खड़ा रहता है। यह प्रकृति का सरल संदेश है कि वास्तविक महानता प्रदर्शन नहीं करती, बल्कि अपने व्यवहार से पहचानी जाती है।

साथियों आज के आधुनिक जीवन में दादागिरी अनेक रूपों में दिखाई देती है। कभी यह पद के अहंकार के रूप में सामने आती है, कभी धन के घमंड के रूप में, कभी ज्ञान के अभिमान के रूप में और कभी सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रदर्शन के रूप में। कुछ लोग अपने अधिकारों का उपयोग सेवा के लिए नहीं बल्कि दूसरों को नीचा दिखाने के लिए करते हैं। वे मानते हैं कि कठोर व्यवहार से वे अधिक प्रभावशाली दिखाई देंगे।लेकिन वास्तविकता यह है कि भय से प्राप्त सम्मान कभी स्थायी नहीं होता। जैसे ही शक्ति समाप्त होती है, वैसा सम्मान भी समाप्त हो जाता है। इसके विपरीत विनम्रता से अर्जित सम्मान जीवन भर लोगों के हृदय में बना रहता है।

साथियों, मानव मनोविज्ञान भी यही बताता है कि लोग उन व्यक्तियों के साथ अधिक सहज महसूस करते हैं जो विनम्र होते हैं। विनम्र व्यक्ति दूसरों की बात सुनता है, उनकी भावनाओं को समझता है और संवाद के लिए स्थान देता है। दूसरी ओर दादागीर व्यक्ति केवल अपनी बात मनवाना चाहता है। परिणामस्वरूप उसके आसपास भय और असंतोष का वातावरण बन जाता है। ऐसे व्यक्ति के साथ लोग मजबूरी में रहते है, खुशी से नहीं। वहीं विनम्र व्यक्ति के साथ लोग स्वेच्छा से जुड़ते हैं और उसे अपनासटीक मार्गदर्शक मानते हैं।

साथियों कॉर्पोरेट जगत में भी आज नेतृत्व की परिभाषा बदल रही है। पहले कठोर और आदेशात्मक नेतृत्व को प्रभावी माना जाता था, लेकिन अब शोध बताते हैं कि विनम्र नेता अधिक सफल होते हैं। वे अपनी टीम को प्रेरित करते हैं, सहयोग को बढ़ावा देते हैं और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं। दादागिरी करने वाला प्रबंधक कर्मचारियों से काम तो करा सकता है, लेकिन उनकी निष्ठा और रचनात्मकता प्राप्त नहीं कर सकता। जबकि

विनम्र नेतृत्व कर्मचारियों को संगठन का भागीदार बना देता है।

साथियों, परिवार और रिश्तों में भी यही सिद्धांत लागू होता है। दादागिरी से परिवार चलाया जा सकता है, लेकिन खुशहाल परिवार नहीं बनाया जा सकता। रिश्तों में प्रेम, सम्मान और विश्वास की आवश्यकता होती है। यदि परिवार का कोई सदस्य केवल अपनी बात मनवाने का प्रयास करता है, तो धीरे-धीरे संबंधों में दूरी बढ़ने लगती है। इसके विपरीत विनम्र व्यवहार रिश्तों में मधुरता लाता है। एक मधुर शब्द कई बार वह काम कर देता है जो कठोर आदेश नहीं कर सकते।

साथियों, समाज में भी विनम्रता का प्रभाव अत्यंत व्यापक होता है। विनम्र व्यक्ति विवादों को बढ़ाने के बजाय उन्हें सुलझाने का प्रयास करता है। वह समाज में समरसता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। वहीं दादागिरी समाज में विभाजन, तनाव और संघर्ष को जन्म देती है। इतिहास में अनेक साम्राज्य अहंकार के कारण नष्ट हुए हैं, जबकि विनम्र नेतृत्व ने समाजों को प्रगति और स्थिरता प्रदान की है।

साथियों, भारतीय प्रवासी समुदाय इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। दुनिया के विभिन्न देशों में बसे भारतीयों को उनकी मेहनत, योग्यता और विनम्रता के कारण विशेष सम्मान प्राप्त होता है। चाहे वे वैज्ञानिक हों, डॉक्टर हों, इंजीनियर हों, उद्यमी हों या साधारण कर्मचारी, उनकी कार्यशैली और व्यवहार उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। यह सम्मान केवल तकनीकी दक्षता के कारण नहीं, बल्कि विनम्रता और सहयोग की भावना के कारण भी प्राप्त होता है।विनम्रता को कभी भी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। वास्तव में विनम्र होना अत्यंत साहस का कार्य है। अहंकार दिखाना आसान है, लेकिन उपलब्धियों के बावजूद विनम्र बने रहना कठिन है। दादागिरी क्षणिक शक्ति का प्रदर्शन है, जबकि विनम्रता आत्मबल का प्रमाण है। जो व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण रख सकता है, वही वास्तव में शक्तिशाली होता है। क्रोध, अहंकार और कटुता पर विजय प्राप्त करना किसी भी बाहरी विजय से अधिक महत्वपूर्ण है।

साथियों, जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी विनम्रता अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती है। संकट के समय दादागिरी करने वाला व्यक्ति अकेला पड़ जाता है, क्योंकि उसके आसपास केवल भय के कारण जुड़े लोग होते हैं। वहीं विनम्र व्यक्ति को समाज, मित्रों और परिवार का सहयोग प्राप्त होता है। उसका व्यवहार ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी बन जाता है। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों में भी वह अधिक मजबूत होकर उभरता है।विनम्रता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष सीखने की क्षमता है। विनम्र व्यक्ति स्वीकार करता है कि उसे सब कुछ नहीं पता। इसलिए वह निरंतर सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करता है। इसके विपरीत दादागीर व्यक्ति स्वयं को सर्वज्ञ मान लेता है और सीखने की प्रक्रिया को रोक देता है। परिणामस्वरूप उसका विकास सीमित हो जाता है। ज्ञान का वास्तविक द्वार तभी खुलता है जब मन में विनम्रता हो।

साथियों,प्रकृति भी हमें विनम्रता का पाठ पढ़ाती है। नदी जितनी गहरी होती है, उतनी ही शांत दिखाई देती है। विशाल वृक्ष जितना फलदार होता है, उतना ही झुकता है। इसी प्रकार जीवन में जो व्यक्ति जितना अधिक विकसित होता है, उसके व्यवहार में उतनी ही अधिक विनम्रता दिखाई देती है। यही कारण है कि महान वैज्ञानिक, संत, समाजसेवी और नेता अपनी उपलब्धियों के बावजूद सटीकता से सरल और सहज बने रहते हैं।

साथियों, एक प्रसिद्ध कहावत है कि ÷जीवन में कुछ बनने के लिए विनम्र होना जरूरी है, क्योंकि बीज को भी पेड़ बनने के लिए मिट्टी के नीचे दबना पड़ता है।÷ यह कथन जीवन का गहरा सत्य प्रस्तुत करता है। बीज यदि मिट्टी में दबने से इंकार कर दे तो वह कभी वृक्ष नहीं बन सकता। उसी प्रकार मनुष्य यदि अपने अहंकार को त्यागने के लिए तैयार नहीं है, तो वह अपनी पूर्ण क्षमता तक नहीं पहुँच सकता। विनम्रता विकास की पहली शर्त है।आज जब समाज में दिखावा, प्रतिस्पर्धा और अहंकार बढ़ रहा है, तब विनम्रता का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। आने वाली पीढ़ियों को यह समझाना आवश्यक है कि वास्तविक सफलता केवल पद, पैसा और प्रसिद्धि नहीं है। वास्तविक सफलता वह है जिसमें व्यक्ति अपनी उपलब्धियों के साथ- साथ अपने मानवीय गुणों को भी सुरक्षित रखे। यदि उपलब्धियाँ बढ़ती जाएँ और विनम्रता घटती जाए, तो वह सफलता अधूरी है।

अतः अगर उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि कहा जा सकता है कि दादागिरी लोगों को झुका सकती है, लेकिन दिल नहीं जीत सकती। विनम्रता लोगों के दिलों में स्थान बनाती है और स्थायी सम्मान दिलाती है। दादागिरी भय पैदा करती है, विनम्रता विश्वास पैदा करती है। दादागिरी संघर्ष बढ़ाती है, विनम्रता समाधान खोजती है। दादागिरी अस्थायी प्रभाव देती है, जबकि विनम्रता स्थायी विरासत छोड़ती है। इसलिए यदि जीवन में सम्मान,सफलता, सुख,शांति और सार्थक रिश्ते चाहिए, तो दादागिरी नहीं बल्कि विनम्रता को अपनाना होगा। यही मानव जीवन का बहुमूल्य श्रृंगार, श्रेष्ठ गुण और सफलता का सबसे प्रभावशाली अस्त्र है।÷विनम्रता वह शक्ति है जो बिना शोर किए दुनिया जीत लेती है, जबकि दादागिरी वह कमजोरी है जो शोर तो बहुत करती है, पर अंततः स्वयं ही हार जाती है।

बदलते मौसम का बढ़ता जोखिम

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में मानसून केवल एक ऋतु नहीं है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, कृषि, जल-संसाधनों और जनजीवन की धुरी है। सदियों से मानसून को जीवनदायी माना जाता रहा है क्योंकि इसकी वर्षा खेतों को हरियाली देती है, नदियों और जलाशयों को भरती है तथा भीषण गर्मी से राहत प्रदान करती है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मानसून का स्वरूप तेजी से बदलता दिखाई दे रहा है। अब यह केवल राहत लेकर नहीं आता, बल्कि अपने साथ अनेक प्रकार के जोखिम भी लेकर आता है। कहीं अचानक बादल फटने की घटनाएँ होती हैं, कहीं तेज़ हवाओं और गरज-चमक वाले तूफानों से जनजीवन प्रभावित होता है, तो कहीं आकाशीय बिजली लोगों की जान ले लेती है।

बदलते मौसम और जलवायु परिवर्तन के दौर में मानसून से जुड़े खतरे पहले की तुलना में अधिक गंभीर और व्यापक हो गए हैं। यही कारण है कि मौसम संबंधी जोखिम आज केवल वैज्ञानिक अध्ययन का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय चिंता का प्रश्न भी बन चुके हैं।

वर्तमान समय में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि मौसम की पारंपरिक प्रकृति में परिवर्तन आ रहा है। पहले जहाँ वर्षा अपेक्षाकृत नियमित और संतुलित होती थी, वहीं अब लंबे समय तक सूखा रहने के बाद अचानक अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इसी प्रकार गरज-चमक वाले तूफानों और आकाशीय बिजली की घटनाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान ने वायुमंडल की संरचना और व्यवहार को प्रभावित किया है। वातावरण में अधिक ऊर्जा और अधिक नमी उपलब्ध होने के कारण मौसमीय घटनाएँ अधिक तीव्र और अनिश्चित हो रही हैं। इसका सीधा असर मानव जीवन, कृषि, बुनियादी ढाँचे और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहा है।

आकाशीय बिजली उन प्राकृतिक घटनाओं में से एक है जो हर वर्ष हजारों लोगों को प्रभावित करती है। भारत में बिजली गिरने से होने वाली मौतों की संख्या कई अन्य प्राकृतिक आपदाओं की तुलना में अधिक रहती है। विशेष चिंता का विषय यह है कि अधिकांश पीड़ित ग्रामीण क्षेत्रों से होते हैं, जहाँ बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं। किसान, खेतिहर मजदूर, पशुपालक और निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिक मौसम के इन खतरों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। जब अचानक बादल घिरते हैं और गरज-चमक शुरू होती है, तब कई लोग खतरे की गंभीरता को नहीं समझ पाते और खुले स्थानों पर ही बने रहते हैं। परिणामस्वरूप आकाशीय बिजली की चपेट में आकर अनेक लोगों की जान चली जाती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो आकाशीय बिजली का निर्माण वायुमंडल में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं का परिणाम है। जब धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है और उसके ऊपर की परतों में अपेक्षाकृत ठंडी हवा मौजूद रहती है, तब गर्म और नम हवा तेजी से ऊपर उठने लगती है। यह प्रक्रिया संवहन कहलाती है। ऊपर उठती हुई हवा ठंडी होकर संघनित होती है और बादलों का निर्माण करती है। यदि वातावरण में पर्याप्त नमी और ऊर्जा मौजूद हो, तो ये बादल विशाल क्यूम्यलोनिम्बस बादलों का रूप ले लेते हैं। इन्हीं बादलों में पानी की बूंदों, बर्फ के कणों और ओलों के बीच होने वाली टक्करों से विद्युत आवेश उत्पन्न होते हैं। जब आवेशों का असंतुलन अत्यधिक बढ़ जाता है, तब बिजली चमकती है और धरती तथा बादलों के बीच विद्युत निर्वहन होता है।

मानसून के दौरान समुद्रों से आने वाली नम हवाएँ भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्सों में पहुँचती हैं। ये हवाएँ बड़ी मात्रा में जलवाष्प लेकर आती हैं, जो बादलों के निर्माण और वर्षा के लिए आवश्यक होती है। लेकिन यही नमी जब अत्यधिक गर्म वातावरण से मिलती है, तो शक्तिशाली तूफानों का निर्माण भी कर सकती है। नमी और तापमान का यह संयोजन मौसमीय अस्थिरता को बढ़ाता है। यही कारण है कि मानसून के महीनों में गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएँ अधिक होती हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे वायुमंडल अधिक नमी धारण करेगा और इस प्रकार की घटनाओं की संभावना भी बढ़ती जाएगी।

जलवायु परिवर्तन इस पूरे परिदृश्य का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। औद्योगीकरण, जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई और अनियंत्रित शहरीकरण ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। तापमान में यह वृद्धि केवल गर्मी बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे मौसम तंत्र को प्रभावित कर रही है। गर्म वातावरण अधिक नमी धारण करता है, जिससे तीव्र वर्षा और गरज-चमक वाले तूफानों की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि आज मौसम पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और चरम दिखाई देता है।

शहरीकरण भी मौसमीय जोखिमों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बड़े शहरों में कंक्रीट, डामर और भवनों की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है। इससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो जाता है। गर्म सतहें हवा को तेजी से ऊपर उठने के लिए प्रेरित करती हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर बादलों और तूफानों के निर्माण की संभावना बढ़ सकती है। इसके अतिरिक्त, शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था के कारण भारी वर्षा होने पर जलभराव और बाढ़ जैसी समस्याएँ भी गंभीर रूप धारण कर लेती हैं।

भारत की भौगोलिक विविधता भी मौसमीय घटनाओं को प्रभावित करती है। हिमालयी क्षेत्रों में पर्वतों के कारण हवा तेजी से ऊपर उठती है, जिससे बादलों का निर्माण अधिक होता है। पूर्वोत्तर भारत में अत्यधिक नमी और पर्वतीय भूभाग मिलकर तीव्र वर्षा की परिस्थितियाँ उत्पन्न करते हैं। मध्य भारत और गंगा के मैदानी क्षेत्रों में गर्मी और नमी का संयोजन गरज-चमक वाले तूफानों को जन्म देता है। वहीं तटीय क्षेत्रों में समुद्री हवाओं और भूमि की गर्मी के बीच अंतःक्रिया मौसमीय गतिविधियों को प्रभावित करती है। इस प्रकार भारत का प्रत्येक क्षेत्र अपने-अपने भौगोलिक और जलवायु संबंधी कारकों के कारण अलग-अलग प्रकार के जोखिमों का सामना करता है।

मौसमीय जोखिमों का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर सुरक्षित आश्रयों और समय पर सूचना से वंचित रहते हैं। कई बार बिजली गिरने या तेज़ तूफान आने की चेतावनी जारी होने के बावजूद जानकारी अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँच पाती। इसके अतिरिक्त, आर्थिक सीमाएँ भी लोगों को जोखिम उठाने के लिए मजबूर करती हैं। किसान और मजदूर अक्सर मौसम खराब होने के बावजूद काम जारी रखते हैं क्योंकि उनकी आजीविका उसी पर निर्भर होती है। ऐसी परिस्थितियों में प्राकृतिक जोखिम सामाजिक और आर्थिक जोखिमों में बदल जाते हैं।

मौसम संबंधी आपदाओं से होने वाली क्षति को कम करने के लिए केवल तकनीकी समाधान पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए जन-जागरूकता और मौसम-साक्षरता को बढ़ाना भी आवश्यक है। लोगों को यह समझाना होगा कि गरज सुनाई देने पर खुले स्थानों से दूर जाना क्यों आवश्यक है, ऊँचे पेड़ों के नीचे खड़े होना कितना खतरनाक हो सकता है और बिजली चमकने के दौरान किन सावधानियों का पालन करना चाहिए। स्कूलों, पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया को इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। यदि समाज मौसमीय जोखिमों को समझने लगे, तो अनेक जानें बचाई जा सकती हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा बनी आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक, एमसीबी जिले के विशिष्टजनों ने किए प्रथम ज्योतिर्लिंग के दर्शन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा जिले के विशिष्टजनों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुई इस यात्रा के माध्यम से पद्म अलंकरण एवं राज्य अलंकरण से सम्मानित विभूतियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट नागरिकों को देश के प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के दर्शन कराने का अवसर मिला यात्रा ने धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक समन्वय और राष्ट्रीय एकता का भी सशक्त संदेश दिया यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे के विशेष प्रयासों से आयोजित की गई यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विशिष्टजनों को भारत की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और देश की गौरवशाली परंपराओं का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था एमसीबी जिले से यात्रा का संचालन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार के मार्गदर्शन में किया गया पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय के नेतृत्व में जिले के सभी चयनित विशिष्टजनों को मनेन्द्रगढ़ से विशेष वातानुकूलित बस के माध्यम से रायपुर भेजा गया इसके बाद राज्य शासन द्वारा विशेष वातानुकूलित ट्रेन से सभी यात्रियों को गुजरात स्थित सोमनाथ पहुंचाया गया पूरी यात्रा के दौरान यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया नाश्ता, भोजन, पेयजल, आवास और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उच्च स्तर की रहीं यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, छत्तीसगढ़ी लोकगीत, पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया यात्रियों ने इसे केवल धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि सांस्कृतिक उत्सव का अनुभव बताया गुजरात के वेरावल रेलवे स्टेशन पहुंचने पर गुजरात सरकार की ओर से सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया ढोल-नगाड़ों, लोकनृत्य और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुए स्वागत ने छत्तीसगढ़ से पहुंचे विशिष्टजनों का उत्साह दोगुना कर दिया इसके बाद सभी यात्रियों को वातानुकूलित बसों से होटल पहुंचाया गया जहां उनके ठहरने और भोजन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। अगले दिन यात्रियों ने भगवान सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और मंदिर परिसर में आयोजित विशेष पूजा एवं आरती में भाग लिया इसके अलावा त्रिवेणी संगम, बाणस्तंभ, समुद्र तट और आसपास के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण भी कराया गया शाम के समय आयोजित भव्य आरती, आकर्षक लेजर शो और सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास की प्रस्तुति ने सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और मजबूत बनाया दर्शन उपरांत गुजरात सरकार की ओर से सभी विशिष्टजनों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया वापसी के दौरान रेलवे स्टेशन पर भी आत्मीय विदाई दी गई जिससे यात्रियों ने गुजरात की आतिथ्य परंपरा की सराहना की इस यात्रा में जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय के साथ साहित्यकार वीरेंद्र श्रीवास्तव, सतीश उपाध्याय, पूर्व संसदीय सचिव चंपा देवी पावले, सरोज यादव, रामजीत लकड़ा, भगत बाबू, कलाकार, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्टजन शामिल रहे यात्रा के सफल संचालन में राज्य नोडल अधिकारी युगल तिवारी तथा संभागीय नोडल अधिकारी पुखराज गोस्वामी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। यात्रा के अनुभव साझा करते हुए जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सम्मान, सांस्कृतिक समन्वय, राष्ट्रीय एकता और पर्यटन संवर्धन का प्रभावी माध्यम है ऐसी यात्राएं समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत करती हैं उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में सोमनाथ, अयोध्या, महाकालेश्वर और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए भी ऐसी यात्राओं के नियमित आयोजन की अपेक्षा जताई।

बदरवास बायपास पर चलते-चलते धधकी इको कार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के बदरवास बायपास स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर शनिवार रात एक बड़ा हादसा उस समय टल गया जब उज्जैन से पटना जा रही एक इको कार अचानक आग की चपेट में आ गई कार में सवार पांच कारोबारी टॉयलेट के लिए चाय ढाबे के पास रुके थे और सभी समय रहते वाहन से नीचे उतर चुके थे कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया और वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया हालांकि इस हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई जानकारी के अनुसार उज्जैन निवासी अली फरदीन खान, जकरिया शोएब अहमद कुरैशी, जुनैद वारसी, खालिद कुरैशी सहित कुल पांच कारोबारी इको कार से बिहार के पटना जा रहे थे लंबी यात्रा के दौरान शनिवार रात वे बदरवास बायपास पर स्थित एक चाय ढाबे के पास कुछ देर के लिए रुके सभी लोग टॉयलेट के लिए कार से बाहर निकले थे इसी दौरान यात्रियों की नजर कार के निचले हिस्से से निकल रहे धुएं और हल्की आग पर पड़ी शुरुआत में उन्हें लगा कि यह मामूली तकनीकी समस्या होगी लेकिन देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को भी वाहन से सामान निकालने या आग बुझाने का मौका नहीं मिला कुछ ही मिनटों में पूरी इको कार आग की लपटों से घिर गई और पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई घटना की सूचना मिलते ही बदरवास फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी आग बुझने के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची और घटना का निरीक्षण किया प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि कार में आग किसी तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट या इंजन में आई खराबी के कारण लगी हो सकती है। हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा पुलिस और संबंधित विभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

नर्मदापुरम पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधायक ठाकुरदास नागवंशी के पुत्र के विवाह समारोह में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नर्मदापुरम पहुंचे, जहां उन्होंने पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी के पुत्र के विवाह समारोह में शामिल होकर नवदंपती को आशीर्वाद दिया मुख्यमंत्री का यह दौरा लगभग 30 मिनट का रहा इस दौरान उन्होंने विधायक परिवार के साथ समय बिताया, अतिथियों से मुलाकात की और वर-वधू के सुखद एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं शहर स्थित परमशी गार्डन में आयोजित विवाह समारोह में मुख्यमंत्री के पहुंचते ही विधायक ठाकुरदास नागवंशी और उनके परिवार ने उनका आत्मीय स्वागत किया। समारोह में मौजूद जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमंत्रित अतिथियों ने भी मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित जोड़े को शुभाशीष दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे समारोह स्थल पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी जबकि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पूरे कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहे कार्यक्रम स्थल के प्रवेश द्वार से लेकर मंच तक सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से मजबूत किया गया था ताकि मुख्यमंत्री का दौरा सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

पहली तेज बारिश में डूबी शिवपुरी, घरों में घुसा पानी जल निकासी व्यवस्था पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर में शनिवार रात हुई मानसून की पहली तेज बारिश ने नगर पालिका की तैयारियों की हकीकत सामने ला दी करीब रात 9 बजे शुरू हुई बारिश के कुछ ही समय बाद शहर की कई सड़कें जलमग्न हो गईं जबकि निचले इलाकों और रिहायशी बस्तियों में पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा कई परिवारों को पूरी रात घरों से पानी निकालने में बितानी पड़ी वहीं जलभराव के कारण आम जनजीवन भी प्रभावित रहा। सबसे अधिक परेशानी ग्वालियर बायपास स्थित मनीषा किराना स्टोर वाली गली में देखने को मिली यहां बारिश का पानी कई घरों में घुस गया स्थानीय निवासी विनोद धाकड़ के घर में पानी भर जाने से घरेलू सामान खराब हो गया आसपास के अन्य मकानों में भी पानी प्रवेश कर गया जिससे लोगों को रातभर जागकर पानी निकालना पड़ा और काफी नुकसान उठाना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहली ही तेज बारिश में शहर की जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह फेल साबित हुई लोगों ने आरोप लगाया कि समय रहते नालों की सफाई और जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण यह स्थिति बनी उनका कहना है कि उन्होंने जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर मदद की गुहार लगाई, लेकिन देर रात तक कोई भी मौके पर नहीं पहुंचा।

शिवपुरी में सूने मकान को निशाना, 31 हजार नकद और चांदी के जेवर चोरी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर की हनुमान कॉलोनी में शनिवार देर रात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों की नहीं लेकिन नकदी और कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया बदमाश घर से 31 हजार रुपये नकद, चांदी के जेवर और अन्य सामान चोरी कर ले गए पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है जिसमें रात के समय 10 से 12 संदिग्ध कॉलोनी में आते-जाते दिखाई दे रहे हैं पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार हनुमान कॉलोनी निवासी मस्तराम वर्मा 26 जून की सुबह अपने परिवार के साथ पैतृक गांव सेगाड़ा में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे घर पर ताला लगा हुआ था और परिवार के सभी सदस्य बाहर थे इसी बीच शनिवार और रविवार की दरमियानी रात चोरों ने सुनसान मकान का फायदा उठाते हुए मुख्य गेट कमरों और अलमारियों के ताले तोड़ दिए रात करीब 3 बजे पड़ोसी दीपक धाकड़ ने मस्तराम वर्मा को फोन कर घर में चोरी होने की सूचना दी सूचना मिलते ही मस्तराम रविवार सुबह करीब 4 बजे शिवपुरी पहुंचे घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे से लेकर कमरों और अलमारियों तक के ताले टूटे हुए थे तथा पूरा सामान बिखरा पड़ा था जांच करने पर पता चला कि दो अलमारियों में रखे 27 हजार रुपये नकद और एक काले बैग में रखे 4 हजार रुपये भी गायब थे। इसके अलावा चोर मस्तराम के भाई आकाश धाकड़ की सिद्धिविनायक हॉस्पिटल की ड्रेस, आईडी कार्ड, एक जोड़ी चांदी की बिछिया और एक जोड़ी चांदी की पायल भी अपने साथ ले गए। पीड़ित ने बताया कि चांदी के जेवरों की कीमत का आकलन कर पुलिस को अलग से जानकारी दी जाएगी।

छात्रा आत्महत्या मामला: अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी से परेशान 12वीं की छात्रा ने दी जान, चार आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के पिछोर में 12वीं कक्षा की एक छात्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है पुलिस जांच में सामने आया है कि छात्रा पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थी और उसे डर था कि उसके अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जाएंगे इसी भय और लगातार हो रही प्रताड़ना के कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया पुलिस के अनुसार छात्रा की मां अंगूरी बाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया उन्होंने बताया कि आत्महत्या से पहले उनकी बेटी ने फोन पर बताया था कि रामवीर लोधी, सत्यम लोधी और सतीश लोधी लाइब्रेरी में आए थे आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया सिम कार्ड तोड़ दिया और उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया इस घटना के बाद छात्रा बेहद परेशान रहने लगी थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि छात्रा का पिछले करीब दो महीने से रामवीर लोधी के साथ मोबाइल पर संपर्क था किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया था इसी दौरान अंशुल उर्फ अंश लोधी के साथ भी उसकी कहासुनी हुई थी पुलिस का कहना है कि विवाद के बाद छात्रा को यह आशंका सताने लगी थी कि उसके निजी और आपत्तिजनक फोटो वायरल कर दिए जाएंगे जिससे वह गहरे मानसिक दबाव में आ गई एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रामवीर लोधी (19), सत्यम लोधी (20), सतीश लोधी (22) और अंशुल उर्फ अंश लोधी (20) शामिल हैं। शनिवार को पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में उप जेल पिछोर भेज दिया गया पुलिस मामले की विस्तृत विवेचना कर रही है और मोबाइल फोन, डिजिटल साक्ष्य तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की भी जांच की जा रही है यह घटना एक बार फिर साइबर उत्पीड़न, ब्लैकमेल और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से जुड़े गंभीर खतरे को उजागर करती है विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी परिस्थितियों में पीड़ितों को तुरंत परिवार, पुलिस या साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए ताकि समय रहते उचित सहायता मिल सके पुलिस ने भी लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धमकी, ब्लैकमेल या अश्लील सामग्री वायरल करने की धमकी मिलने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराएं ताकि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

सूडान युद्ध से जुड़ा रायपुर का नाम: SB एनर्जी पर अमेरिकी प्रतिबंध, विस्फोटक सप्लाई के आरोपों से कंपनी ने किया इनकार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सूडान में जारी गृहयुद्ध से जुड़े कथित आपूर्ति नेटवर्क पर अमेरिका की कार्रवाई में अब छत्तीसगढ़ का नाम भी सामने आया है अमेरिकी वित्त विभाग (यूएस ट्रेजरी) ने रायपुर स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आलोक चौधरी सहित कुल आठ व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है अमेरिकी एजेंसी का आरोप है कि कंपनी ने सूडान के सैन्य नेटवर्क से जुड़ी संस्था को औद्योगिक विस्फोटक और उससे संबंधित सामग्री की आपूर्ति की जिसका उपयोग संघर्ष के दौरान किया गया हालांकि कंपनी ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए अपना पक्ष रखा है यूएस ट्रेजरी के अनुसार रायपुर की एसबीएल एनर्जी ने सूडान की संस्था टारगेट मल्टी एक्टिविटीज कंपनी को विस्फोटक और उससे संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई अमेरिकी एजेंसी का दावा है कि वर्ष 2024 से अब तक कंपनी द्वारा 200 से अधिक खेप भेजी गईं, जो ऐसे नेटवर्क तक पहुंचीं जिनका संबंध सूडान में चल रहे गृहयुद्ध से बताया गया है अमेरिका का आरोप है कि इस आपूर्ति ने संघर्ष को जारी रखने में अप्रत्यक्ष रूप से सहायता पहुंचाई एसबीएल एनर्जी, जिसे पहले अमीन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, औद्योगिक विस्फोटकों के निर्माण और आपूर्ति का कार्य करती है कंपनी डायनामाइट और टीएनटी आधारित औद्योगिक विस्फोटक बनाती है जिनका उपयोग मुख्य रूप से खनन, सड़क निर्माण, सुरंग, पुल और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में किया जाता है अमेरिकी प्रतिबंध के बाद कंपनी के सीईओ आलोक चौधरी ने आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि उनकी कंपनी किसी भी प्रकार के सैन्य या रक्षा उपयोग के लिए विस्फोटक नहीं बनाती उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी भारत सरकार से विधिवत लाइसेंस प्राप्त कर केवल औद्योगिक उपयोग के लिए विस्फोटक तैयार करती है और सभी निर्यात निर्धारित नियमों एवं कानूनी प्रक्रियाओं के अनुरूप किए जाते हैं। कंपनी ने अमेरिकी ट्रेजरी के इस दावे को भी गलत बताया कि वर्ष 2024 में 200 से अधिक खेप भेजी गईं कंपनी का कहना है कि वर्ष 2022 से अब तक कुल 10 खेप ही निर्यात की गई हैं कंपनी ने कहा कि वह सभी आवश्यक दस्तावेज, निर्यात रिकॉर्ड और अन्य प्रमाण संबंधित एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत करेगी जिससे स्थिति स्पष्ट हो सके। अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के तहत एसबीएल एनर्जी और उसके सीईओ आलोक चौधरी की अमेरिका में मौजूद किसी भी प्रकार की संपत्ति को फ्रीज कर दिया गया है।

मनेन्द्रगढ़ में देर रात डीजे की तेज आवाज पर बवाल, गाली-गलौज और मारपीट के प्रयास का लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में देर रात तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया हरियाणा भवन में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान डीजे की तेज ध्वनि का विरोध करने पर एक परिवार ने आरोप लगाया है कि समारोह में शामिल कुछ लोग बाद में उनके घर पहुंचे जहां उन्होंने गाली-गलौज की और मारपीट करने का प्रयास किया घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हरियाणा भवन में शुक्रवार देर रात विवाह समारोह आयोजित किया गया था पास में रहने वाले बोथरा परिवार का कहना है कि रात करीब एक बजे तक डीजे अत्यधिक तेज आवाज में बज रहा था जिससे घर के बच्चों, बुजुर्गों और आसपास के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा पहले परिवार के सदस्यों ने डीजे संचालकों और कार्यक्रम आयोजकों से आवाज कम करने का अनुरोध किया लेकिन उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद परिवार ने सिटी कोतवाली पुलिस को फोन कर शिकायत दर्ज कराई शिकायत मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और डीजे की आवाज कम कराई हालांकि परिवार का आरोप है कि पुलिस के जाने के कुछ समय बाद फिर से तेज आवाज में डीजे बजाया जाने लगा जिससे स्थिति दोबारा तनावपूर्ण हो गई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि डीजे का विरोध करने से नाराज होकर शादी समारोह में शामिल कुछ लोग उनके घर पहुंच गए।

6 जुलाई को रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा, जलभराव और सफाई व्यवस्था पर होगी चर्चा, पूर्व महापौर ने उठाए सवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा 6 जुलाई को आयोजित की जाएगी मानसून के दौरान शहर में जलभराव, नालों की सफाई, कचरा प्रबंधन, सड़क मरम्मत और नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर इस बैठक में विस्तृत चर्चा होगी हालांकि बैठक की घोषणा के साथ ही इसे लेकर राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने विशेष सामान्य सभा बुलाने के औचित्य पर सवाल उठाते हुए इसे नगर निगम की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जोड़कर देखा है नगर निगम के अनुसार मानसून के दौरान राजधानी के कई इलाकों में जलभराव और सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं ऐसे में इन समस्याओं के समाधान के लिए विशेष सामान्य सभा बुलाने का निर्णय लिया गया है बैठक में पार्षद अपने-अपने वार्डों की समस्याओं को भी सदन के सामने रखेंगे इसके अलावा नालों की सफाई की प्रगति, बारिश के दौरान प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, सड़क मरम्मत और जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी इधर, पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने इस बैठक को लेकर सवाल खड़े किए हैं उनका कहना है कि नगर निगम में विशेष सामान्य सभा आमतौर पर किसी महत्वपूर्ण नीति निर्धारण, आपातकालीन स्थिति या अत्यंत आवश्यक विषयों पर निर्णय लेने के लिए बुलाई जाती है जबकि सफाई व्यवस्था, नालों की सफाई और जलभराव जैसे विषय नगर निगम के नियमित प्रशासनिक कार्यों का हिस्सा हैं।

प्रमोद दुबे ने कहा कि यदि ऐसे नियमित विषयों पर भी विशेष सामान्य सभा बुलाने की आवश्यकता पड़ रही है तो यह इस बात का संकेत है कि नगर निगम की तैयारियां पर्याप्त नहीं थीं उन्होंने कहा कि मानसून से पहले ही नालों की सफाई, जल निकासी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जानी चाहिए थीं ताकि नागरिकों को बारिश के दौरान परेशानी का सामना न करना पड़े नगर निगम सूत्रों का कहना है कि मानसून के कारण शहर के कई क्षेत्रों से जलभराव, कचरा उठाव में देरी और सड़क क्षतिग्रस्त होने जैसी शिकायतें प्राप्त हुई हैं इन्हीं समस्याओं के समाधान और संबंधित विभागों की जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से विशेष बैठक आयोजित की जा रही है बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे और पार्षदों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर जवाब देंगे गौरतलब है कि इससे पहले 27 अप्रैल को नगर निगम की विशेष सामान्य सभा आयोजित की गई थी उस बैठक में महिला सशक्तिकरण से जुड़े जनजागरूकता अभियान और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा हुई थी बैठक की अध्यक्षता सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने की थी। वहीं नगर निगम की पिछली सामान्य सभा 9 अप्रैल को आयोजित हुई थी जिसमें 14 एजेंडों पर चर्चा की गई थी उस बैठक के दौरान सिटी कोतवाली चौक का नाम बदलकर 'जैन स्तंभ' करने के प्रस्ताव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई थी विपक्ष के विरोध और भाजपा पार्षद दल की सहमति के बाद प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया था।

खरीफ बोनी के बीच कृषि विभाग की बड़ी पहल किसानों को उन्नत बीज वितरण के साथ दी गई तकनीकी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। खरीफ सीजन 2026 में किसानों को बेहतर उत्पादन और आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा उन्नत बीज वितरण एवं तकनीकी मार्गदर्शन का अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड विदिशा द्वारा किसानों की मांग के अनुरूप विभिन्न योजनाओं के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे किसान समय पर बोनी कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। खरीफ बोनी के दौरान कृषि विस्तार अधिकारी श्री हेमंत गुप्ता द्वारा क्षेत्र के कृषकों से सीधे संपर्क कर उन्हें फसल उत्पादन से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किसानों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) योजना के अंतर्गत सोयाबीन एवं उड़द मिनीकिट के उन्नत बीजों का पात्रतानुसार वितरण किया गया। बीज वितरण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत विदिशा की ग्राम पंचायत अहमदपुर कस्बा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरपंच श्री शिवचरण शर्मा एवं पंचायत सचिव श्री रामदयाल की उपस्थिति में किसानों को उन्नत बीज वितरित किए गए। जनप्रतिनिधियों ने किसानों को शासन की कृषि योजनाओं का लाभ लेने तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

मंदसौर में ढाबे से अवैध शराब और बीयर मिली 192 पाव देशी शराब जब्त, 12 मामले दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के दलोदा क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने शनिवार देर रात विशेष अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न ढाबों और दुकानों पर दबिश देकर अवैध शराब जब्त की गई। कार्रवाई में 12 प्रकरण दर्ज किए गए। टीम ने 192 पाव देशी शराब और 12 केन बीयर जब्त की है। आबकारी निरीक्षक कर्मेंद्र सांवले के नेतृत्व में टीम ने दलोदा स्थित मदिरा दुकान के आसपास और अन्य स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान जहां भी अवैध रूप से शराब का भंडारण और बिक्री मिली, वहां संबंधित लोगों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) और 36 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इन लोगों के कब्जे से मिली अवैध शराब: कार्रवाई के दौरान दलोदा मगरा स्थित सिसोदिया ढाबा से दशरथ पिता कंवरलाल, रॉयल राजपूताना से दिनेश पिता झुझार सिंह, भवानी ढाबा से दिनेश पिता किशनलाल, जय मां भवानी ढाबा से श्रवण पिता नागूलाल, मनोहर सिंह के ढाबे से कुलदीप पिता भंवर सिंह, राजपूताना ढाबा से कारूलाल पिता अम्बालाल, टीना ढाबा से पूनमचंद पिता राजू, चामुंडा ढाबा से यशवंत पिता बाबूलाल कलाल के अलावा बंटी पिता रमेशचंद्र, सुरेश पिता काशीराम, बलवंत पिता देवसिंह और गोपाल पिता रामलाल के कब्जे से अवैध शराब जब्त की गई।

आबकारी विभाग ने दी चेतावनी: आबकारी निरीक्षक कर्मेंद्र सांवले ने कहा कि जहां से भी अवैध शराब की बिक्री की सूचना मिलेगी, वहां इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। फिलहाल सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है।

सागर के गांव में घुसा भालू, 4 महिलाओं पर हमला ग्रामीणों ने 30 मिनट की मशक्कत से खदेड़ा, वन विभाग की टीम रेस्क्यू करेगी

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के बंडा विकासखंड स्थित भड़राना गांव में रविवार को एक जंगली भालू घुस गया। भालू ने घरों के बाहर काम कर रहीं चार महिलाओं पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के मुताबिक, भालू करीब आधे घंटे तक गांव के बीचोबीच और घरों के आसपास घूमता रहा। इसके बाद गांव वालों ने

इकट्ठा होकर शोर मचाया और भालू को खेतों की तरफ खदेड़ दिया। स्थिति को देखते हुए तुरंत वन विभाग को घटना की सूचना दी गई भालू को जंगल ले जाने की कोशिश जारी सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भड़राना गांव पहुंच गई। टीम लगातार भालू की लोकेशन ट्रेस कर रही है। उसे सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। अस्पताल से घायलों को मिली छुट्टी भालू के हमले में गांव की प्रीति, सुक्रति, स्नेहलता और सुहागरानी घायल हुई हैं। सभी को मामूली चोटें आई हैं। वन विभाग ने चारों महिलाओं को इलाज के लिए सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (BMC) भेजा था। प्राथमिक उपचार और जरूरी इंजेक्शन लगाने के बाद सभी को घर भेज दिया गया है।

इटारसी में पल्स पोलियो अभियान शुरू:16,800 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए रविवार से तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान शुरू हो गया है। इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने 16,800 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य रखा है। अभियान का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय चिकित्सालय में किया गया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आर दयाल, विधायक प्रतिनिधि भारत वर्मा और नपा के स्वास्थ्य सभापति राकेश जाधव ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर इसकी शुरुआत की।

100 स्वास्थ्यकर्मी मैदान में: अस्पताल की अधीक्षक डॉ. कमलेश कुमरे ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए लगभग 100 स्वास्थ्यकर्मी मैदान में कार्यरत हैं। इनमें एएनएम, आशा कार्यकर्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी, सुपरवाइजर और अन्य स्वास्थ्य अमला शामिल है। पहले दिन शहर के 34 वार्डों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और विभिन्न बूथों पर दवा पिलाई गई। अगले दो दिनों तक स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे। शहर के रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के अंदर पहुंचकर और बस स्टैंड पर विशेष ट्रांजिट बूथ भी बनाए गए हैं।

खंडवा में अल-नीनो का इफैक्ट, कम बारिश होगी

कलेक्टर ने किसानों से फसल बीमा कराने कहा सूखे से लड़ने वाले बीज डालने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में इस साल अल-नीनो के संभावित प्रभाव के चलते मानसून के कमजोर रहने और सामान्य से कम बारिश की आशंका जताई जा रही है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने किसानों को समय रहते सतर्क रहने और कृषि वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार ही फसलों का चयन करने की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि, यदि वर्षा सामान्य से 40 प्रतिशत तक कम रहती है तो उसी के अनुरूप खेती की रणनीति अपनाना किसानों के हित में होगा। कलेक्टर ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों, कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर सृष्टि देशमुख गौड़ा, उप संचालक कृषि नितेश कुमार यादव सहित कृषि विशेषज्ञ मौजूद रहे।

कलेक्टर बोले- फसल बीमा जरूर कराएं: कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने किसान प्रतिनिधियों से कहा कि, वे गांव-गांव जाकर किसानों को कम बारिश की संभावना के बारे में जागरूक करें और मौसम की स्थिति को देखते हुए फसलों का

चयन करने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदा, सूखा या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में यह योजना किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी।

प्रशासन ने किसानों को चेताया- सूखे से लड़ सकें, ऐसे किस्म के बीज डाले: उप संचालक कृषि नितेश कुमार यादव ने किसानों को उपलब्ध नमी और वर्षा जल का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की बुवाई में रिज एंड फरो और रेज बेड तकनीक अपनाई जाए, ताकि कम बारिश की स्थिति में भी फसल को पर्याप्त नमी मिल सके। उन्होंने किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली और सूखे को सहन करने वाली फसलों व किस्मों का चयन करने की सलाह दी। सोयाबीन के बीजों का नैनो डीएपी से उपचार करने की भी सलाह दी गई, जिससे कम बारिश की स्थिति में अंकुरण संबंधी समस्याओं से बचा जा सके।

● इन सोयाबीन किस्मों की सिफारिश

कृषि वैज्ञानिकों ने संभावित सूखे को देखते हुए अल्प एवं मध्यम अवधि में पकने वाली सूखा सहनशील सोयाबीन किस्मों की बुवाई की सलाह दी। इनमें प्रमुख रूप से जेएस-2172, एनआरसी-150, एनआरसी - 142, एनआरसी-130, जेएस-20-116, जेएस-2069 और जेएस-9560 शामिल हैं।

● अफसरों ने जल संरक्षण पर भी जोर

बैठक में किसानों को वर्षा जल संरक्षण, खेतों में नमी बनाए रखने के लिए मल्चिंग अपनाने व आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। कृषि विभाग का कहना है कि यदि समय रहते वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप खेती की जाए तो कम बारिश की स्थिति में भी नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

● इंटरक्रॉपिंग से घटेगा जोखिम

कृषि विभाग ने किसानों को फसल विविधीकरण पर जोर देते हुए सोयाबीन के साथ अरहर, उड़द और लोबिया जैसी फसलों की अंतरवर्तीय (इंटरक्रॉपिंग) खेती अपनाने की सलाह दी। विभाग का कहना है कि इससे कम बारिश की स्थिति में भी उत्पादन और आय का जोखिम कम रहेगा। इसके अलावा किसानों को मूंग, उड़द, चवला, ज्वार और अरहर जैसी कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई।

गाली देने से रोकने पर पड़ोसियों ने की मारपीट

मंदसौर में बेटे के सीने में लगा चाकू, पिता के सिर पर ईंट से किया वार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के वायडी नगर थाना क्षेत्र के लालघाटी रोड स्थित प्रभा नगर में शनिवार रात करीब 10:30 बजे मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शराब के नशे में गाली-गलौज करने से रोकने पर पड़ोसी ने अपने परिवार के साथ मिलकर पिता-पुत्र पर हमला कर दिया। हमले में बेटे के सीने में चाकू लगा, जबकि पिता के सिर पर ईंटनुमा पत्थर से वार किया गया।

घटना में घायल मनोज और उसके पिता सत्यनारायण को स्थानीय लोगों की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। दोनों का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

महिलाओं के सामने कर रहा था गाली-गलौज: जानकारी के अनुसार, आरोपी जाबिर पिता शब्बीर मुल्तानी अक्सर शराब के नशे में घर के बाहर बैठकर गाली-गलौज करता है। शनिवार रात भी वह नशे की हालत में घर के बाहर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहा था। उस समय आसपास की कुछ महिलाएं टहल रही थीं। महिलाओं के परिजनों ने उसे गाली-गलौज बंद करने के लिए कहा, लेकिन वह और अधिक उग्र हो गया।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। आरोप है कि जाबिर, उसका बेटा और उसकी पत्नी सामने वाले परिवार पर हमला करने लगे। इस दौरान मनोज के सीने में चाकू मारा गया। वहीं उसके पिता सत्यनारायण के सिर पर ईंटनुमा पत्थर से वार किया गया।

छह-सात साल से रह रहा है पीड़ित परिवार: पीड़ित परिवार मूल रूप से मनासा का रहने वाला है। परिवार पिछले छह से सात वर्षों से मंदसौर के प्रभा नगर में रह रहा है। परिजनों का आरोप है कि जाबिर लंबे समय से शराब के नशे में गाली-गलौज करता है और आए दिन विवाद करता रहता है। घटना की सूचना मिलते ही वायडी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। उप निरीक्षक विनय बुंदेला और सहायक उप निरीक्षक पी.सी. चौहान ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर घायलों के बयान दर्ज किए। पुलिस ने आरोपी पक्ष के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। सहायक उप निरीक्षक पी.सी. चौहान ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है।

सागर के 2 अलग-अलग सड़क हादसों में 2 मौत

पुलिया के नीचे दबा मिला एक का शव, दूसरे को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के देवरी थाना इलाके में रविवार सुबह दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की जान चली गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर हादसों के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पहली घटना झिरी-ईमझिरा मार्ग की है। यहां गांव के पास

बनी पुलिया के नीचे ग्रामीणों ने एक युवक को पड़ा देखा, जो अपनी ही बाइक के नीचे दबा हुआ था। घटना की सूचना पर मौके पर भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त झिरी निवासी 35 वर्षीय सीताराम कुर्मी के रूप में की। हाईवे पर अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर दूसरी घटना नेशनल हाईवे-44 पर चीमाढाना के पास हुई। यहां एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को भीषण टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। चीमाढाना निवासी 32 वर्षीय राजेश गौंड उछलकर सड़क पर जा गिरा। सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मानसून की पहली बारिश में आधे घंटे थम गया रतलाम

अंडरब्रिज और निचले इलाके डूबे, नगर निगम की तैयारियां बेनकाब

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में शनिवार को करीब आधे घंटे की बारिश के साथ ही मानसून की एंट्री हो गई है। बादलों की तेज गड़गड़ाहट के साथ बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। इधर, होमगार्ड कॉलोनी के अंडरब्रिज में पानी भरा, जिस वजह से लोगों को निकलने में परेशानी हुई।

दरअसल प्रदेश में मानसून की एंट्री 24 जून से हो गई है लेकिन रतलाम में पिछले तीन-चार दिन से बारिश का मौसम बन रहा था। हल्की बूंदाबांदी भी हुई थी।

शनिवार सुबह से तेज उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया था। इसके बाद दोपहर करीब 1 बजे अचानक मौसम में बदलाव होकर आसमान में काले घने बादल छाए और बारिश हुई। पानी इतना तेज था कि दूर-दूर तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।

निचले क्षेत्रों में भर गया पानी: आधे घंटे की बारिश ने शहर में पानी ही पानी कर दिया। निचले क्षेत्रों व सड़कों पर जलभराव की स्थिति हुई। शहर के होमगार्ड कॉलोनी के अंडरब्रिज में पानी भर गया। लोगों को पानी के बीच में होकर निकलना पड़ा। आधे घंटे की पहली बारिश ने जिला प्रशासन व नगर निगम के बारिश पूर्व की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी।बाद में निकल आई तेज धूप बारिश बंद होने के बाद कुछ देर तक आसमान में काला घना छाया रहा।

डी-वन कॉलोनी के तीन सूने मकानों में चोरों का धावा

बुरहानपुर में प्रोफेसर दंपती के घर से नकदी और 60 हजार के जेवर ले गए बदमाश

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर की डी-वन कॉलोनी में शनिवार रात अज्ञात बदमाशों ने तीन सूने मकानों को निशाना बनाया। इनमें एक प्रोफेसर दंपती का मकान भी शामिल है, जहां से बदमाश करीब 20 हजार रुपए नकद और 50 से 60 हजार रुपये मूल्य के जेवर चुरा ले गए। अन्य दो मकानों के ताले भी टूटे पाए गए, लेकिन उनके मालिकों के बाहर होने के कारण नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है। प्रोफेसर डॉ. बसंत कुमार सोनी के मकान में चोरों ने सभी लॉकर तोड़ दिए और घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया। उन्होंने लिफाफे तक खोलकर देखे और फाड़कर फेंक दिए। घर के अंदर दो पत्थर भी पड़े मिले। चोर

ऑटिफिशियल ज्वेलरी छोड़कर चले गए, जबकि सोने-चांदी के छोटे-मोटे जेवर और नकदी चुरा ले गए। डॉ. बसंत कुमार सोनी, जो खंडवा में भी घर रखते हैं, शनिवार को अपने माता-पिता को इंदौर रवाना करने के बाद खंडवा में ही रुक गए थे। रविवार सुबह उन्हें अपने घर में चोरी होने की सूचना मिली। उनकी पत्नी डॉ. सीमा सोनी भी धुलकोट कॉलेज में प्रोफेसर हैं।

दो अन्य मकानों में भी वारदात: पड़ोस के दो अन्य मकानों में भी चोरी की वारदात हुई। एक मकान मालिक पुणे में हैं, जबकि दूसरे भी शहर से बाहर हैं। पुलिस ने उन्हें घटना की सूचना दे दी है।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर महत्वपूर्ण निर्णय

जिला चिकित्सालय में शिशु रोग ओपीडी स्थानांतरण, प्री-लेबर रूम विस्तार एवं लिफ्ट स्थापना को मिली स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला चिकित्सालय की रोगी कल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. अनूप वर्मा, समिति के सदस्यगण एवं जिला चिकित्सालय के चिकित्सक उपस्थित रहे। बैठक का शुभारंभ पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा के साथ किया गया। इसके पश्चात अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, मरीजों की सुविधा एवं आधारभूत संरचना को मजबूत बनाने से संबंधित विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।

बैठक में रोगी कल्याण समिति के आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिस पर सदस्यों द्वारा चर्चा करते हुए

वित्तीय प्रबंधन एवं संसाधनों के बेहतर उपयोग के संबंध में सुझाव दिए गए। साथ ही अस्पताल परिसर में आवश्यक निर्माण कार्यों, साफ-सफाई व्यवस्था तथा वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए दूषित एवं वर्षा जल की समुचित निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी विशेष बल दिया गया, ताकि बरसात के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। बैठक में शिशु रोग (पीडियाट्रिक) ओपीडी को पूर्ण रूप से जिला चिकित्सालय के प्रथम तल पर स्थानांतरित किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया। इस निर्णय से बच्चों के उपचार एवं परामर्श सेवाओं को अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा सकेगा तथा मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रसूति सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्री-लेबर रूम के विस्तार (एक्सपेंशन) को भी स्वीकृति दी गई। इस निर्णय से प्रसूता महिलाओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी तथा मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। बैठक में जिला चिकित्सालय के विद्युत पैनलों की सर्विसिंग का कार्य पूर्ण होने के बाद किए गए कार्यों की स्वीकृति एवं संबंधित भुगतान की अनुमति भी प्रदान की गई। इसके साथ ही अस्पताल में विद्युत व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई।

मातृत्व विंग में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पीएनसी (पोस्ट नेटल केयर) प्रथम तल से बर्थ वेटिंग रूम द्वितीय तल तक लिफ्ट स्थापना के प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। यह सुविधा विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के साथ आने वाले परिजनों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। बैठक में अस्पताल परिसर में कचरा उठाव एवं उसके वैज्ञानिक निपटान की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाहन स्टैंड से संबंधित प्राप्त शिकायतों एवं व्यवस्थागत समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। अस्पताल परिसर में सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों के वाहनों के नंबर पंजीकृत करने तथा उन्हें अधिकृत वाहन पास जारी करने का निर्णय भी लिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि जिला चिकित्सालय का मुख्य उद्देश्य मरीजों को शासन की मंशानुरूप त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि अस्पताल के सुव्यवस्थित संचालन और मरीजों की सुविधाओं के लिए आवश्यक सभी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

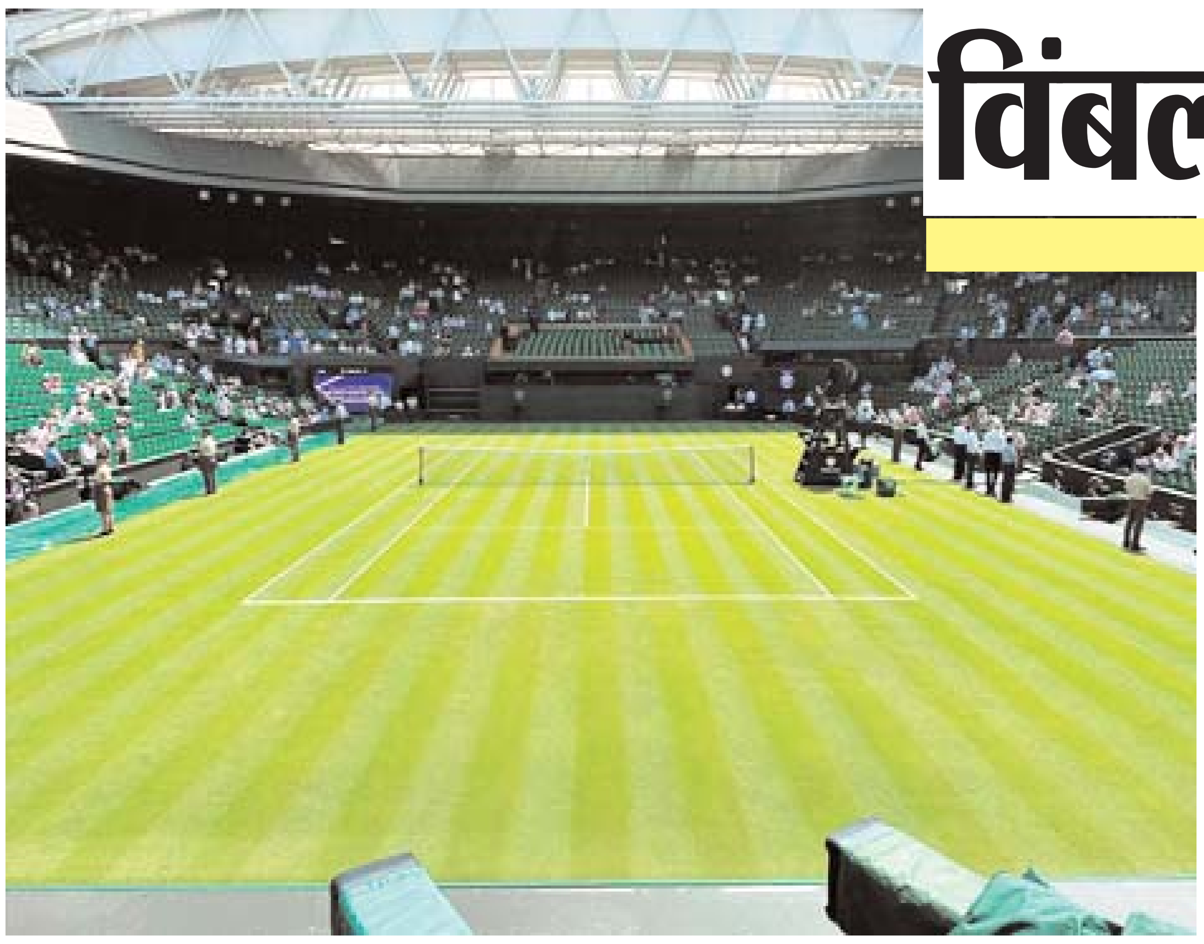

विंबलडन का दिल सेंटर कोर्ट

विंबलडन का दिल सेंटर कोर्ट, जानिए कैसे हुई शुरुआत और क्या है खासियत

नई दिल्ली ,एजेंसी। टेनिस के खेल में विंबलडन सबसे पुराना और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। पहली बार विंबलडन का आयोजन साल 1877 में हुआ था। घास पर खेले जाने वाले इस लोकप्रिय टूर्नामेंट में सेंटर कोर्ट को खास अहमियत दी जाती है। सेंटर कोर्ट को विंबलडन का दिल भी कहा जाता है, जहां टूर्नामेंट के कई ऐतिहासिक मुकाबले खेले जा चुके हैं। विंबलडन की जब शुरुआत हुई, तो इसके पहली बार आयोजन के लिए कोर्ट पर ग्रिड पैटर्न बिछाया गया था। हालांकि, 1881 में इन दो कोर्ट्स को मिलाकर एक मुख्य कोर्ट तैयार किया गया, जो बिल्कुल सेंट्रल में था और तब से इसका नाम सेंटर कोर्ट पड़ा। सेंटर कोर्ट की शुरुआत 1922 में हुई थी, जब विंबलडन चैंपियनशिप अपने नए परिसर ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस एंड क्रोके क्लब में शिफ्ट हुआ। सेंटर कोर्ट का इस्तेमाल पूरे साल में सिर्फ दो हफ्ते के लिए विंबलडन के दौरान होता है। इन दो हफ्तों के लिए पूरे साल इस कोर्ट का खास ध्यान रखा जाता है। इस बात पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है कि सेंटर कोर्ट की घास की गुणवत्ता सर्वश्रेष्ठ बनी रहे। सेंटर कोर्ट के लिए सिर्फ बारहमासी राई घास का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी लंबाई को ज्यादातर 8 मिलीमीटर ही रखा जाता है। विंबलडन के सेंट्रल कोर्ट में एक रॉयल बॉक्स की व्यवस्था भी है। इस विशेष रॉयल बॉक्स की एक खास परंपरा है। इस बॉक्स में ब्रिटिश शाही परिवार और अन्य खास अतिथियों को मैच के दौरान बैठाया जाता है। विंबलडन के मुकाबले को बारिश से बचाने के लिए साल 2009 में अत्याधुनिक रिट्रेक्टेबल (पुल-इन) छत लगाई गई। इसकी मदद से बारिश होने की स्थिति में 10 मिनट के भीतर खुली छत को बंद करके मैच का आयोजन किया जा सकता है। सेंटर कोर्ट में विंबलडन के ज्यादातर बड़े और ऐतिहासिक मुकाबले ही खेले जाते हैं, जिसमें पुरुष और महिला एकल का खिताबी मुकाबला शामिल रहता है। सेंटर कोर्ट पर खेलने के लिए खिलाड़ियों को सफेद कपड़ों में ही उतरना अनिवार्य है। इसके साथ ही कोर्ट के चारों तरफ किसी भी तरह के व्यावसायिक विज्ञापन बोर्ड को लगाने की अनुमति नहीं है। ऐसा कोर्ट के पारंपरिक स्वरूप को बरकरार रखने के लिए किया जाता है। सेंटर कोर्ट पर विंबलडन के कई यादगार मैच खेले जा चुके हैं। टेनिस के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर ने अपने 8 खिताब इसी कोर्ट पर जीते हैं। इसके साथ ही साल 2008 में फेडरर और राफेल नडाल के बीच ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला भी इसी कोर्ट पर खेला गया था। सेंटर कोर्ट 2019 में हुए नोवाक जोकोविच और फेडरर के बीच विंबलडन इतिहास के सबसे लंबे एकल फाइनल मुकाबले का भी गवाह बना था। सेंटर कोर्ट केवल एक टेनिस कोर्ट नहीं, बल्कि खेल इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां जीत हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में माना जाता है। यही कारण है कि जब भी विंबलडन की बात होती है, सेंटर कोर्ट का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह कोर्ट परंपरा, सम्मान और महान मुकाबलों का ऐसा मंच है, जिसकी चमक आज भी बरकरार है।

फीफा वर्ल्ड कप: न्यूजीलैंड को 5-1 से रौंदकर बेल्जियम ने हासिल किया नॉकआउट स्टेज का टिकट

वैंकूवर ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप जी मुकाबले में बेल्जियम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 5-1 से हराया। बीसी प्लेस स्टेडियम में मिली इस जीत के साथ ही बेल्जियम ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली है। बेल्जियम के हाथों मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड का अगले राउंड में पहुंचने का सपना टूट गया है। बेल्जियम की इस जीत के नायक लिएंड्रो ट्रॉसार्ड रहे, जिन्होंने मैच में दो गोल दागे। ग्रुप जी में बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच प्वाइंट्स के साथ बराबर पर रहे, लेकिन गोल के अंतर के आधार पर बेल्जियम ने ग्रुप में पहले स्थान हासिल किया। बेल्जियम और मिस्र दोनों पांच-पांच पॉइंट्स पर बराबर रहे, लेकिन गोल अंतर के आधार पर बेल्जियम ग्रुप में टॉप पर रहा। ईरान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के साथ ही मिस्र ने भी अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है। ईरान 3 प्वाइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जबकि न्यूजीलैंड 3 मुकाबलों में एक प्वाइंट ही अर्जित कर सका। मैच की शुरुआत से ही बेल्जियम ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और लगातार न्यूजीलैंड के गोल पर हमले किए। 11वें मिनट में लिएंड्रो ट्रॉसार्ड गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। कुछ देर बाद बेल्जियम को पेनल्टी भी मिली, लेकिन वीएआर (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) जांच के बाद फैसला बदल दिया गया, क्योंकि रेफरी ने माना कि न्यूजीलैंड के खिलाड़ी का हाथ स्वाभाविक स्थिति में था। बेल्जियम ने 28वें मिनट में 1-0 की बढ़त हासिल की। केविन डी ब्रूने के शानदार क्रॉस पर ट्रॉसार्ड ने बेहतरीन फिनिश करते हुए पहला गोल दागा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही ट्रॉसार्ड ने अपना दूसरा गोल किया।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय और विश्व क्रिकेट की ताकत बनेंगे: कुमार संगकारा

लंदन ,एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान, दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी में भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट की ताकत बनने के सभी गुण हैं। संगकारा ने कहा कि वैभव शोहरत और अटेंशन को संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। संगकारा ने एक साक्षात्कार में हा, ÷मुझे लगता है कि वैभव सारा अटेंशन बहुत अच्छे से संभाल लेगा। वह इसे कैसे संतुलित करता है, और उसे अपने परिवार और टीम से जो समर्थन मिलता है, वह बहुत जरूरी होगा। राजस्थान रॉयल्स में, हम इस बात पर बहुत ध्यान देते हैं कि हम उसे कैसे मैनेज करें और बचाएं। हम उस पर नजर रखते हैं ताकि यह पक्का हो सके कि वह जमीन से जुड़ा और केंद्रित रहे। एक बात मैं पक्के तौर पर कह सकता हूं कि वैभव को बल्लेबाजी पसंद है। उसे खेल पसंद है। शोहरत और चमक-दमक का उस पर कोई खास असर नहीं पड़ता। वह बहुत जमीन से जुड़ा हुआ है और कई चीजों को लेकर उत्सुक रहता है।÷ आरआर के कोच ने कहा, ÷वह हर समय सिर्फ क्रिकेट में ही नहीं जीता और सांस लेता है। उसके पास दूसरी चीजों के लिए भी जगह है। मुझे कोई शक नहीं है कि वह भारतीय क्रिकेट, विश्व क्रिकेट और फ्रेंचाइज क्रिकेट के लिए एक ताकत बनेगा। वह मानसिक तौर पर मजबूत है। उन्होंने कहा, 2023 में, हमारे एनालिस्ट (विश्लेषक) अक्षय ने हमें वैभव सूर्यवंशी नाम के एक 12 साल के बच्चे के बारे में एक संदेश भेजा था। उन्होंने कहा था कि लड़का बहुत प्रतिभाशाली है और हमें उसे देखना होगा। उसके कोच मनीष ओझा ने वैभव के पिता से कहा था कि वह बच्चा सिर्फ 12 साल की उम्र में बड़ी लीग के लिए तैयार था।

कोच मनीष ओझा ने कहा

हम पहले तो हैरान थे, सोचा कि यह मजाक है, लेकिन अक्षय को पूरा यकीन था, इसलिए हम उसे ले आए। उस समय राहुल द्रविड़ आरआर में मुख्य कोच थे। उन्होंने उसे पांच-छह मिनट तक देखा और कहा, हमें इस लड़के को खरीदना होगा। संगकारा ने कहा, मैंने वैभव को पहली बार गुवाहाटी में एक कैंप के दौरान देखा था। एक छोटे से साइड नेट में, जोफ्रा आर्चर और संदीप शर्मा नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे। वहां कोई बल्लेबाजी नहीं करना चाहता था। वैभव अंदर आया और बोला, मैं बल्लेबाजी करूंगा। उसके बल्ले से निकली आवाज बंदूक की गोली जैसी थी। उसने आर्चर और संदीप का आसानी से सामना किया।

महिला टी20 विश्व कप

टूर्नामेंट से बाहर हुई न्यूजीलैंड की टीम, श्रीलंका का भी सपना टूटा, वेस्टइंडीज सेमीफाइनल में

नई दिल्ली,एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप बी से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो टीमें तय हो चुकी हैं। इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड को 9 विकेट से हराया। इंग्लैंड की जीत के साथ ही न्यूजीलैंड का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। वहीं, वेस्टइंडीज ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। ग्रुप बी से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इंग्लिश टीम ने ग्रुप स्टेज के अपने सभी 5 मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। वहीं, वेस्टइंडीज ने 5 मुकाबलों में से 3 मैच जीतते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। हालांकि, वेस्टइंडीज की तरह ही श्रीलंका के भी 6 प्वाइंट थे, लेकिन कैरेबियाई टीम बेहतर नेट रन रेट की वजह से सेमीफाइनल में पहुंच गई। वहीं, न्यूजीलैंड की हार के साथ ही श्रीलंका का भी टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है।

किदांबी श्रीकांत का दमदार प्रदर्शन

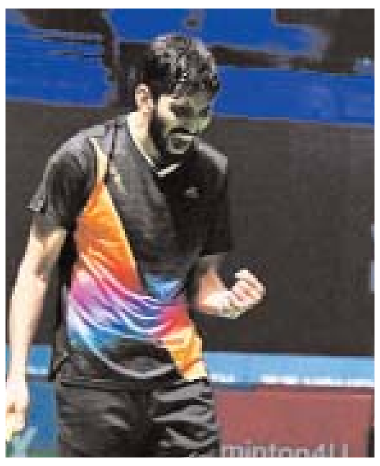

अमेरिकी ओपन बैडमिंटन के फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उन्होंने जापान के युदाई ओकिमोतो को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराया। अब खिताब के लिए श्रीकांत का सामना चीनी ताइपे के सु ली यांग से होगा। वहीं, युवा खिलाड़ी रौनक चौहान और महिला एकल में देविका सिहाग का सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। 72 मिनट तक चला रोमांच, श्रीकांत ने दिखाई जबरदस्त वापसी फुलर्टन (अमेरिका) में खेले गए पुरुष एकल सेमीफाइनल में विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने जापान के विश्व नंबर-33 युदाई ओकिमोतो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराया। करीब 72 मिनट तक चले इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली।

रचिन रवींद्र ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे किए

नॉटिंघम (इंग्लैंड) ,एजेंसी। : न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रवींद्र ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए हैं। रवींद्र ने नॉटिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी टीम के तीसरे और आखिरी टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर उनकी टीम का स्कोर 3 विकेट पर 120 रन था और वे 204 रनों की बढ़त पर थे। रवींद्र 90 गेंदों में 60 रन बनाकर नाबाद रहे जिसमें 8 चौके शामिल थे। न्यूजीलैंड के लिए सभी फॉर्मेट में 115 मैचों में रचिन ने 36.82 की औसत से 4,014 रन बनाए हैं। उन्होंने 125 पारियों में 10 शतक और 17 अर्धशतक लगाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर 240 रन रहा है। उन्होंने 24 टेस्ट मैचों में 44 पारियों में 48.18 की औसत से 1831 रन बनाए हैं जिसमें 5 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं; उनका बेस्ट स्कोर 240 रन है। उन्होंने 39 वनडे मैचों में 41.88 की औसत से 1424 रन बनाए हैं जिसमें 5 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 123 रन है। रचिन ने 52 ञ्20द्ध मैचों की 46 पारियों में 20.51 की औसत और 135.29 के स्ट्राइक रेट से 759 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्धशतक और 69 का बेस्ट स्कोर शामिल है। मैच की बात करें तो हैं ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और टॉम लैथम (214 गेंदों में 151 रन, 15 चौके) और डेवोन कॉनवे (224 गेंदों में 157 रन, 22 चौके और तीन छक्के) के बीच 317 रनों की साझेदारी ने कीवी टीम को 438 रनों तक पहुंचाया। कप्तान बेन स्टोक्स (4/70) ने इंग्लैंड के लिए शानदार गेंदबाजी की और वे दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस के बाद टेस्ट क्रिकेट में 7000 से ज्यादा रन और 250 विकेट लेने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। अपनी पहली पारी में इंग्लैंड ने 354 रन बनाए जिसमें बेन डकेट का शतक (99 गेंदों में 113 रन, 19 चौके) और जैकब बेथेल (133 गेंदों में 74 रन, नौ चौके) व हैरी ब्रूक (80 गेंदों में 58 रन, पांच चौके) के अर्धशतक मुख्य आकर्षण रहे।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप

भारत ने कजाकिस्तान को रौंदकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली,एजेंसी। जापान के यात्सुशिरो में खेले गए बैडमिंटन एशिया जूनियर मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप के ग्रुप-सी मुकाबले में भारत ने कजाकिस्तान को पूरी तरह दबाव में रखा। भारतीय टीम ने दोनों सेटों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 (55-31, 55-21) से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। गर्ल्स डबल्स ने दिलाई शानदार शुरुआत भारत की ओर से दुर्गा ईशा कंद्रापु और कीर्ति मंचला की जोड़ी ने मुकाबले की बेहतरीन शुरुआत की। दोनों ने अलिसा कुलेशोवा और डायना नामेनोवा की जोड़ी को 11-5 से हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद पुनीत सुरेश और दीप्ति राज अदिति की जोड़ी को मुस्तफा मलिकझान और अलिसा कुलेशोवा के खिलाफ कड़ी चुनौती मिली, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 11-10 से रोमांचक जीत दर्ज कर कुल स्कोर 22-15 कर दिया।

भारत ने पाकिस्तान पर बरसाए 7 गोल

FIH प्रो लीग में दर्ज की एकतरफा जीत

नई दिल्ली,एजेंसी। FIH प्रो लीग 2025-26 में भारतीय हॉकी टीम ने एक बार फिर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। लंदन में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7-1 से रौंदते हुए लगातार दूसरी बार हराया। शुरुआती झटके के बावजूद टीम इंडिया ने शानदार वापसी की और मैच पर पूरी तरह कब्जा जमा लिया। यह प्रो लीग में भारत की लगातार चौथी जीत रही, जबकि पाकिस्तान की टीम अब तक अपने सभी 15 मुकाबले हार चुकी है।

पाकिस्तान ने की तेज शुरुआत, भारत ने पलट दिया मुकाबला

पहले क्वार्टर में भारत को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम कोई भी मौका भुना नहीं सकी। दूसरी ओर पाकिस्तान ने अपना पहला ही पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदल दिया। 13वें मिनट में अबू महमूद ने गोल कर पाकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दूसरे क्वार्टर में भारत ने शानदार वापसी की। 20वें मिनट में सुखजीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। इसके बाद 26वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दागकर भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तीसरे कार्टर में भारत ने मचाया गोलों का तूफान

तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पाकिस्तान की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। 32वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट में जुगराज सिंह और 41वें मिनट में अभिषेक ने लगातार गोल कर स्कोर 5-1 कर दिया।पाकिस्तान संभल भी नहीं पाया था कि 44वें मिनट में राज कुमार पाल ने एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 6-1 कर दी।

प्री-मानसून में बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने ली विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक

ओवरलोड ट्रांसफार्मर अपग्रेड करने, फीडर व सब स्टेशन कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि बरसात के मौसम में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्री-मानसून के सभी आवश्यक मेंटेनेंस कार्य समय पर पूर्ण किए जाएं ताकि विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनी रहे रविवार को सर्किट हाउस सतना में आयोजित बैठक में राज्यमंत्री ने विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों के साथ रैगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ट्रांसफार्मर, सब स्टेशन, फीडर एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य अभियंता प्रभा पाण्डेय, अधीक्षण यंत्री प्रशांत सिंह सहित संभागीय यंत्री एवं जूनियर इंजीनियर उपस्थित रहे राज्यमंत्री ने आरडीएसएस योजना के तहत चल रहे सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओवरलोड ट्रांसफार्मरों का सर्वे कर उन्हें अपग्रेड किया जाए तथा जिन क्षेत्रों में विद्युत तार बदलने की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए। साथ ही नई बिछाई जा रही विद्युत लाइनों की गुणवत्ता का भी परीक्षण सुनिश्चित करने को कहा उन्होंने खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों को सिंचाई हेतु निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा घरेलू फीडरों पर 24 घंटे विद्युत उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही खैरुआ सरकार मंदिर तक निर्माणाधीन सड़क के किनारे विद्युत खंभों की शिफ्टिंग शीघ्र करने के निर्देश भी दिए अधीक्षण यंत्री प्रशांत सिंह ने बैठक में जानकारी दी कि आरडीएसएस योजना के तहत लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुके हैं रैगांव विधानसभा में स्वीकृत 30 फीडरों में से 23 पूर्ण हो गए हैं जबकि शेष 7 फीडर शीघ्र पूरे कर लिए जाएंगे उन्होंने बताया कि क्षेत्र के सभी 6 सब स्टेशन-हरदुआ, शिवराजपुर, आमा, करसरा एवं बैरहना-चालू हैं राज्यमंत्री ने निर्देशित किया कि जिन ग्रामीण बस्तियों में अभी तक बिजली आपूर्ति नहीं पहुंची है उनके लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजे जाएं। साथ ही 132 केवी नए सब स्टेशन के लिए आकलन कर विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक का समापन सुचारु एवं मजबूत विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ हुआ।

ग्राम पंचायत चूवा में बिना निर्माण लाखों रुपये आहरण का आरोप, जांच की मांग तेज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत चूवा में बिना निर्माण कार्य कराए शासकीय राशि आहरित करने का गंभीर मामला सामने आया है इस संबंध में एक ग्रामीण ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझगवां को शिकायत सौंपकर सरपंच, सचिव, उपयंत्री सहित संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध जांच एवं कार्रवाई की मांग की है शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत में संतोष पटेल के खेत के पास एवं रामपाल के घर के समीप पुलिया निर्माण कार्य स्वीकृत था, लेकिन मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं कराया गया। इसके बावजूद लगभग 1 लाख 49 हजार रुपये की शासकीय राशि का आहरण कर लिया गया। शिकायतकर्ता ने इसे वित्तीय अनियमितता बताते हुए स्थल निरीक्षण एवं दस्तावेजों के सत्यापन की मांग की है इसी प्रकार दूसरी शिकायत में बताया गया है कि हितग्राही चंदा देवी एवं नवल किशोर के खेत पर खेत तालाब निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ था जिसकी अनुमानित लागत लगभग 5 लाख 80 हजार रुपये बताई गई है। आरोप है कि कार्य स्थल पर तालाब का निर्माण नहीं कराया गया, फिर भी लगभग 5 लाख रुपये की राशि का भुगतान कर दिया गया ग्रामीण ने इन दोनों मामलों को गंभीर वित्तीय अनियमितता एवं शासकीय धन के दुरुपयोग का मामला बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है शिकायत में संबंधित निर्माण कार्यों के दस्तावेज मस्टर रोल भुगतान रजिस्टर एवं स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की अपील की गई है फिलहाल मामले की जांच की मांग तेज हो गई है और ग्रामीणों में भी चर्चा का विषय बना हुआ है प्रशासनिक स्तर पर जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की संभावना है।

कंवर नगर व्यापारी संघ के अध्यक्ष बने राजकुमार बजाज, धीरज सेनानी को मिली महामंत्री की जिम्मेदारी

सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन, व्यापारियों के हितों के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिंधी कॉलोनी में आयोजित कंवर नगर व्यापारी संघ की महत्वपूर्ण बैठक में नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया बैठक में वरिष्ठ व्यापारी राजकुमार बजाज को अध्यक्ष तथा धीरज सेनानी (बंटू) को महामंत्री चुना गया नई कमेटी के गठन पर उपस्थित व्यापारियों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं संरक्षक मंडल में डॉ. प्रवीण राजपाल, चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, रामचंद बजाज, गोपी गेलानी, सुनील सेनानी, डॉ. दीपक सोई, गोकुलदास चुंगवानी, हरीश सेनानी, संजय तोलवानी, पंडित राकेश मिश्रा, हीरा सोनी, कैलाश पुरस्वानी तथा ज्ञान खटवानी को शामिल किया गया नवनियुक्त अध्यक्ष राजकुमार बजाज ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में रवि आसुदानी जीतेंद्र जीवानी (जीतू) मनीष वाधवानी, मुरली गंगवानी एवं मनोज धामेचाई को जिम्मेदारी सौंपी गई है कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर द्वारकादास साजवानी, रवि चांदवानी, किशोर कुमार आवतवानी, देवेंद्र सत्यवानी और प्रदीप मीरानी को नियुक्त किया गया है महामंत्री धीरज सेनानी (बंटू) के साथ सह मंत्री के रूप में विक्रम चंदवानी, मोनी साधवानी एवं महेश तोलवानी, कोषाध्यक्ष के रूप में लख्मीचंद छत्तानी तथा मीडिया प्रभारी के रूप में विजय वाधवानी को जिम्मेदारी दी गई कार्यकारिणी में शंभू मोटवानी, राजकुमार वाधवानी, आनंद जीवानी, राहुल हिंदूजा, अमन पांडे, विष्णु जानवानी, साहिल मनवाणी, लालचंद वाधवानी (बल्लू), सुरेश चावला, दिनेश थदानी, राजकुमार साधवानी एवं कैलाश राजपाल को सदस्य बनाया गया बैठक में सभी व्यापारियों ने संगठन को मजबूत बनाने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा क्षेत्र के व्यापारिक विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बगहा में श्यामा मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल का शुभारंभ, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई दिशा

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी और महापौर योगेश ताम्रकार ने दी शुभकामनाएँ, स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के बगहा क्षेत्र में श्यामा मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल का शुभारंभ रविवार को गरिमामय समारोह के बीच संपन्न हुआ इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने हॉस्पिटल के संचालक डॉ. योगेंद्र सिंह को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह संस्थान क्षेत्र के लोगों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा उन्होंने अस्पताल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे जनसेवा की दिशा में सराहनीय पहल बताया समारोह में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने कहा कि सतना में आधुनिक चिकित्सा संस्थानों की स्थापना समय की आवश्यकता है। ऐसे अस्पतालों के शुरू होने से जिले के मरीजों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने चिकित्सकों से आग्रह किया कि वे मिलकर शहर में और भी उन्नत चिकित्सा सुविधाओं के विकास की दिशा में कार्य करें, ताकि गंभीर बीमारियों का उपचार स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सके कार्यक्रम में विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह कुशवाहा, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. शशि गर्ग, मंगलेश्वर सिंह, डॉ. विपिन दुबे, विजय तिवारी, पंचायत सदस्य संजय सिंह, मृगेंद्र सिंह, आरती सिंह, रविभान सिंह, भास्कर चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार ज्ञान शुक्ला, अनिल ताम्रकार 'मौसम', गुरु प्रसन्न सिंह, दिनेश सिंह, आशा सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने श्यामा मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल को सतना की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसके सफल संचालन और जनहित में बेहतर चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने की शुभकामनाएँ दीं।

मैहर में विधायक ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक, पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

28 से 30 जून तक चलेगा राष्ट्रीय अभियान, 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को दी जाएगी पोलियो की दो बूंद दवा

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत मैहर जिले में 28 जून से 30 जून तक 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है अभियान की शुरुआत रविवार को मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर की इस अवसर पर विधायक ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक की जिम्मेदारी है कि वह अपने बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं उन्होंने अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता पर जोर दिया जिले में स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा अभियान के सफल संचालन हेतु व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं विभिन्न पोलियो बूथों के साथ-साथ स्वास्थ्य टीमों को भी सक्रिय किया गया है ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रह जाए कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं और उन्हें पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अभियान के दौरान घर-घर जाकर भी छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी इसके लिए विशेष टीमों को तैनात किया गया है जो लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर टीकाकरण सुनिश्चित करेंगी प्रशासन ने लक्ष्य रखा है कि जिले का कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित न रहे और शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके अधिकारियों ने कहा कि पोलियो उन्मूलन में जनजागरूकता एवं जनसहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए सभी नागरिक इस अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

सीएम राइज स्कूल की शासकीय भूमि से हटाया अवैध कब्जा, प्रशासन ने जेसीबी से ढहाया गोदाम

कई नोटिसों के बावजूद नहीं हटाया गया अतिक्रमण, राजस्व व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में स्कूल परिसर कराया गया मुक्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के बगहा स्थित शासकीय सीएम राइज स्कूल की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए स्कूल परिसर के भीतर बने गोदामनुमा अवैध निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था कार्रवाई के दौरान एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया, तहसीलदार सौरव मिश्रा, सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रीति विश्वकर्मा, पटवारी राजेश प्रजापति सहित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों की निगरानी में जेसीबी मशीन से अवैध निर्माण को हटाया गया और पूरे परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराया गया एसडीएम राहुल सिलाडिया ने बताया कि सीएम राइज स्कूल की बाउंड्री के भीतर लंबे समय से एक गोदामनुमा निर्माण कर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था मामले की जांच के बाद संबंधित गोदाम संचालक को कई बार नोटिस जारी कर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे इसके बावजूद निर्धारित समय सीमा में कब्जा नहीं हटाया गया उन्होंने बताया कि सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जेसीबी की सहायता से अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर शासकीय भूमि को कब्जामुक्त कराया गया अधिकारियों के अनुसार अतिक्रमण हटाने के बाद संबंधित भूमि स्कूल प्रबंधन को सौंप दी गई है, जिससे भविष्य में विद्यालय के विकास कार्यों एवं छात्रों के उपयोग के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध हो सकेगा प्रशासन ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

चैंबर चुनाव में 95.42' मतदान, मतगणना आज; देर रात आएगा परिणाम

मतदान के दौरान विवाद, सुरक्षा के बीच 1662 में से 1586 व्यापारियों ने डाले वोट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रविवार को चैंबर चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। चैंबर भवन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का उपयोग किया निर्धारित समय शाम 5 बजे तक कुल 95.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया कुल 1662 मतदाताओं में से 1586 व्यापारियों ने वोट डालकर चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी निभाई। मतदान समाप्त होने के बाद अब सोमवार को शाम 4 बजे से मतगणना की जाएगी। निर्वाचन अधिकारी द्वारा देर रात तक परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है जिसके बाद चैंबर के नए अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों की तस्वीर साफ हो जाएगी मतदान की शुरुआत के दौरान चैंबर भवन के भीतर विवाद की स्थिति भी बनी मौजूदा अध्यक्ष सतीश सुखेजा की उपस्थिति पर अध्यक्ष पद के प्रत्याशी मनोहर डिगवानी ने आपत्ति दर्ज कराई इस पर निर्वाचन अधिकारी ने हस्तक्षेप करते हुए सभी संबंधित लोगों को भवन के बाहर निर्धारित स्थान पर जाने के निर्देश दिए, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो गई चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए चैंबर भवन में टीआई सिटी कोतवाली के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था अध्यक्ष पद के लिए सतीश सुखेजा, अशोक अग्रवाल, मनोहर डिगवानी, संदीप जैन और राजेश खत्री मैदान में हैं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कैलाश अग्रवाल और मनोहर वाधवानी, जूनियर उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक जैन और दीपक अग्रवाल, महामंत्री पद पर हरिओम गुप्ता, मनोज कटारे और प्रवीण मित्तल, मंत्री पद पर अमित चमड़िया, मनोज अरोड़ा और संजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद पर अमित अग्रवाल और कमल पुरुस्वानी तथा सहमंत्री पद पर हिमांशु अरोड़ा, मनीष मित्तल और रोहित अग्रवाल चुनाव लड़ रहे हैं। कार्यकारिणी सदस्य के 14 पदों के लिए 17 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है।

कलेक्टर ने बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

28 से 30 जून तक विशेष अभियान, 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को दी जाएगी पोलियो की दवा, घर-घर जाकर भी होगा टीकाकरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में 28 से 30 जून तक चलाए जा रहे पल्स पोलियो विशेष अभियान का शुभारंभ रविवार को कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिला अस्पताल स्थित टीकाकरण बूथ पर किया इस अवसर पर उन्होंने अपने बच्चों को पोलियो निरोधी दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की तथा उपस्थित अन्य बच्चों को भी पोलियो की खुराक पिलाई कलेक्टर ने इस अवसर पर कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है उन्होंने नागरिकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस बीमारी के खतरे से अछूता न रहे। उन्होंने कहा कि यह अभियान जनभागीदारी और जागरूकता के माध्यम से ही सफल बनाया जा सकता है जिले में चलाए जा रहे इस विशेष पल्स पोलियो अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं पहले दिन सभी निर्धारित बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है जबकि दूसरे और तीसरे दिन यानी 29 एवं 30 जून को छूटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक दी जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. अमर सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुचित्रा अग्रवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि जिले में इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों, उपकेंद्रों एवं मोबाइल टीमों को सक्रिय किया गया है स्वास्थ्य विभाग ने यह भी बताया कि पोलियो उन्मूलन अभियान में जनसहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अभिभावकों से लगातार अपील की जा रही है कि वे अपने बच्चों को नजदीकी बूथों पर लेकर आएं और दवा अवश्य पिलाएं। साथ ही घर-घर भ्रमण करने वाली टीमों को भी सहयोग प्रदान करें अभियान के दौरान जिला प्रशासन ने यह लक्ष्य रखा है कि जिले का कोई भी बच्चा पोलियो खुराक से वंचित न रहे और पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके स्वास्थ्य विभाग ने सभी मैदानी अमले को निर्देश दिए हैं कि वे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ इस अभियान को सफल बनाएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।